संस्कृत-1

द्वितीयः पाठः (स्वर वर्णाः)

1. **(क)** अ, **(ख)** ई, **(ग)** ए, **(घ)** अं **(ङ)** ऐ
2. **स्वरा** – ऊ, अ, ऐ, आ, ई, औ, लृ, उ, ए, इ
   व्यंजनानि – ध्, न्, ण्, ढ्, ट्, भ्, म्, श्, ह्, प्, ख्, ष्, श्, ल्, ग्, य्
3. ओ, इ, आ, ऊ।
4. **अनुस्वार** – संहार, अंशुमान्, संस्कृत।
   विसर्ग – अश्वः, रामः, बालकः, नरः।

तृतीयः पाठः (व्यंजन वर्णाः)

1. **रिक्त स्थानों में उचित व्यंजन**
   (क) क, ख, [ग], घ, ड़ **(ख)** [च], छ, [ज], झ, ञ **(ग)** त, थ, द, [ध], न **(घ)** ट, [ठ], ड, ढ, ण
2. **(क)** क **(ख)** ग **(ग)** द **(घ)** न **(ङ)** च **(च)** झ **(छ)** ठ **(ज)** ड
3. **निम्न शब्दों की संस्कृत–**
   (क) कपोतः **(ख)** गजः **(ग)** छत्रम् **(घ)** घटः **(ङ)** झषः **(च)** डमरूः **(छ)** तरूः **(ज)** दुग्धम्
4. **निम्न शब्दों की हिन्दी–**
   (क) पक्षी **(ख)** घड़ा **(ग)** जल **(घ)** ढोल **(ङ)** पहाड़ी **(च)** गाय **(छ)** पुरुष **(ज)** पहिया
5. **(क)** पक्षी **(ख)** छाता **(ग)** मछली **(घ)** ठाकुर जी **(ङ)** हाथी **(च)** डमरू **(छ)** पेड़ **(ज)** दूध
1. **रिक्त स्थानों में उचित व्यंजन–**
   (क) [प], फ, ब, [भ], म **(ख)** य, र, [ल], व **(ग)** [श], ष, [स], ह **(घ)** क्ष, [त्र], ज्ञ, श्र
2. **(क)** प **(ख)** म **(ग)** भ **(घ)** र **(ङ)** श **(च)** ह **(छ)** श्र **(ज)** स
3. **निम्न शब्दों की संस्कृत–**
   (क) लता **(ख)** वनम् **(ग)** शुकः **(घ)** सरः **(ङ)** भटः **(च)** क्षत्रिय **(छ)** मयूरः **(ज)** श्रमिक
4. **निम्न शब्दों की हिन्दी–**
   (क) फल **(ख)** तालाब **(ग)** मोर **(घ)** त्रिशूल **(ङ)** रथ **(च)** श्रमिक **(छ)** जंगल **(ज)** बगुला
5. **(क)** मोर **(ख)** तोता **(ग)** झण्डा **(घ)** रथ **(ङ)** क्षत्रिय **(च)** बगुला **(छ)** हल **(ज)** जंगल

चुतर्थः पाठः (मात्राणाम् ज्ञानम्)

1. **रिक्त स्थानों की पूर्ति–**
   (क) मा **(ख)** की **(ग)** पु **(घ)** ले **(ङ)** ति **(च)** वू **(छ)** रो **(ज)** सौ **(झ)** नृ **(ञ)** बै
2. **(क)** वटः — बरगद

(ख)	उरगः	साँप
(ग)	गजः	हाथी
(घ)	झषः	मछली
(ङ)	फलम्	फल
(च)	वनम्	जंगल
(छ)	चरणः	पैर

3. **स्वर वर्णों से रिक्त स्थानों में पूर्ति–**

क (आ) **ख** (इ) **ग** (ए) **घ** (ऊ) **ङ** (उ) **च** (ई) **छ** (ऐ) **ज** (ऊ) **झ** (ओ) **ञ** (अं) **ट** (ऋ) **ठ** (औ)

4. **मात्रों को जोड़कर शब्द पूरे करें–**

(क) बालः **(ख)** क्षीरं **(ग)** मयूरः **(घ)** नौकाः **(ङ)** सैनिकः **(च)** कूपः **(छ)** मृगः **(ज)** शंखः

5. **संस्कृत, हिन्दी तथा अंग्रेजी में नाम–**

(क) नौकाः	नौका	Boat
(ख) वानरः	बन्दर	Monkey
(ग) शंखः	शंख	Conch
(घ) नेत्रम्	आँख	Eye
(ङ) शुकः	तोता	Parrot
(च) शैलम्	पहाड़	Mountain

पंचमः पाठः

1. **जानवरों के संस्कृत में नाम–**

(क) धेनुः **(ख)** सिंहः **(ग)** कुक्करः **(घ)** अश्वः **(ङ)** उरगः **(च)** गजः **(छ)** हरिणः **(ज)** वानरः

2. **संस्कृत में 5 जानवरों के नाम–**

(क) अश्वः **(ख)** गजः **(ग)** धेनुः **(घ)** वानरः **(ङ)** उरगः

3. **(क)** घोड़ा **(ख)** कुत्ता **(ग)** गाय **(घ)** हाथी **(ङ)** गधा **(च)** हिरन **(छ)** बन्दर **(ज)** साँप **(झ)** शेर **(ञ)** ऊँट

षष्ठः पाठः

1. **संस्कृत में शरीर के अंगों के नाम–**

(क) नेत्रम् **(ख)** नासिका **(ग)** कर्ण **(घ)** दन्तः **(ङ)** कण्ठः **(च)** अंगुलिः **(छ)** उदरम् **(ज)** चरणः

2. **संस्कृत में शरीर के पाँच अंगों के नाम–**

(क) शिरः **(ख)** नेत्रम् **(ग)** नासिका **(घ)** कर्ण **(ङ)** चरणः

3. चित्रों को देखकर उनके संस्कृत में नाम

(क) नेत्रम् **(ख)** दन्तः **(ग)** कर्ण **(घ)** चरणः **(ङ)** अंगुलि **(च)** अधर

संस्कृत-2

तृतीयः पाठः

1. (क) दो, छह, एक। **(ख)** तीन, सात, नौ। **(ग)** दस, बारह, चौदह। **(घ)** सोलह, अठारह, बीस।

2.

	संस्कृत	अंक	अंग्रेजी		संस्कृत	अंक	अंग्रेजी
(क)	त्रयः	3	Three	**(ङ)**	सप्त	7	Seven
(ख)	अष्टः	8	Eight	**(च)**	दश	10	Ten
(ग)	त्रयोदश	13	Thirteen	**(छ)**	पञ्चदश	15	Fifteen
(घ)	एकोनविशतिः	19	Nineteen	**(ज)**	एकादशः	11	Eleven

3. (क) त्रयः **(ख)** षट् **(ग)** चत्वारः **(घ)** अष्ट **(ङ)** एकादश **(च)** अष्टादश

4. (क) a **(ख)** c **(ग)** c **(घ)** b **(ङ)** c **(च)** a

चतुर्थः पाठः

1.

	संस्कृत	अंग्रेजी		संस्कृत	अंग्रेजी
(क)	कमलेन	Lotus	**(ङ)**	पाटलः	Rose
(ख)	गन्धपुष्पम्	Marigold	**(च)**	कमलिनी	Lily
(ग)	चम्पकः	Magnolia	**(छ)**	हरमारकः	Oleander
(घ)	मालतीपुष्पम्	Jasmine	**(ज)**	सूर्यकान्ति	Sunflower

2. सात फूलों के नाम– (संस्कृत) में

(क) कमलेन **(ख)** केतकी **(ग)** जपापुष्पम् **(घ)** हरमारकः **(ङ)** चम्पकः **(च)** सूर्यकान्ति **(छ)** पाटलः

3. संस्कृत नाम–

(क) चम्पकः **(ख)** पाटलः **(ग)** जपापुष्पम् **(घ)** कमलेन **(ङ)** सूर्यकान्ति **(च)** हरमारकः

4. फूलों के नाम से मिलान–

(क) चम्पकः **(ख)** हरमारकः **(ग)** केतकी **(घ)** पाटलः **(ङ)** सूर्यकान्ति **(च)** गन्धपुष्पम्

पंचमः पाठः

1. रंगों के नाम संस्कृत में–

(क) रक्तः **(ख)** पीतः **(ग)** हरितः **(घ)** कृष्णः **(ङ)** नीलः **(च)** कपोतः

2. **उचित विकल्प पर (✓) चिह्न–**

(क) a **(ख)** c **(ग)** b **(घ)** c **(ङ)** c **(च)** a

3. **शब्द पूर्ण (संस्कृत/अंग्रेजी)–**

(क) रक्तः/Red **(ख)** कृष्णः/Black **(ग)** केसरः/Orange **(घ)** श्वेतः/White **(ङ)** पाटलः/Pink **(च)** हरितः/Green

4. **कर्त्ता का क्रिया से मिलान–**

(क) रक्तः **(ख)** हरितः **(ग)** पीतः **(घ)** श्यावः **(ङ)** नीलः **(च)** कपोतः

पष्ठः पाठः

1. **उचित विकल्प पर (✓) चिह्न–**

(क) c **(ख)** c **(ग)** a **(घ)** b **(ङ)** b **(च)** c

2. **संस्कृत शब्द–**

(क) नरः **(ख)** गजः **(ग)** मृगः **(घ)** उष्ट्रः **(ङ)** सिहः **(च)** कपोतः

3. **हिन्दी शब्द–**

(क) घोड़ा **(ख)** हाथी **(ग)** तोता **(घ)** पहाड़ **(ङ)** बैल **(च)** कौआ

4. **चित्रों को देखकर मंजूषा की सहायता से नाम–**

(क) सिंहः **(ख)** अश्वः **(ग)** काकः **(घ)** उष्ट्रः **(ङ)** मृगः **(च)** नरः **(छ)** शुकः **(ज)** गजः **(झ)** पर्वतः

सप्तमः पाठः

1. **उचित विकल्प पर (✓) चिह्न–**

(क) b **(ख)** a **(ग)** c **(घ)** c **(ङ)** b **(च)** a

2. **संस्कृत शब्द–**

(क) अम्बा **(ख)** रमा **(ग)** अजा **(घ)** झषः **(ङ)** धेनुः **(च)** लूता

3. **हिन्दी शब्द–**

(क) मछली **(ख)** लड़की **(ग)** शेरनी **(घ)** नाक **(ङ)** बकरी **(च)** गर्दन

4. **चित्रों को देखकर मंजूषा की सहायता से नाम–**

(क) धेनुः **(ख)** अम्बा **(ग)** रमा **(घ)** एडक **(ङ)** ग्रीवा **(च)** सिंही **(छ)** झषः **(ज)** मक्षिका **(झ)** अजा

अष्टमः पाठः

1. **उचित विकल्प पर (✓) चिह्न–**

(क) b **(ख)** a **(ग)** c **(घ)** a **(ङ)** b **(च)** a

2. **संस्कृत शब्द–**

(क) चक्रम् **(ख)** नीडम् **(ग)** कलशः **(घ)** कदलीफलम् **(ङ)** वनम् **(च)** गृहम्

3. **हिन्दी शब्द–**

(क) गेंद **(ख)** फूल **(ग)** कपड़ा **(घ)** किताब **(ङ)** आम **(च)** पहिया

4. **चित्रों को देखकर मंजूषा की सहायता से नाम–**

(क) आम्रम् **(ख)** कन्दुकम् **(ग)** कलशः **(घ)** कदलीफलम् **(ङ)** वनम् **(च)** पुस्तकम् **(छ)** पुष्पम् **(ज)** चक्रम् **(झ)** पत्रम्

नवमः पाठः

1. **संस्कृत शब्द–**

(क) चिकित्सकः **(ख)** फलम् **(ग)** शुकः **(घ)** बालकः **(ङ)** वानरः **(च)** गजः

2. **संस्कृत और हिन्दी शब्दों का मिलान–**

(क) शुकः **(ख)** सैनिकः **(ग)** छत्रम् **(घ)** फलम् **(ङ)** चिकित्सकः **(च)** वानरः **(च)** सिंहः

3. **हिन्दी शब्द–**

(क) एक सैनिक **(ख)** एक माता **(ग)** एक घोंसला **(घ)** एक छतरी **(ङ)** एक घोड़ा **(च)** एक शेर

4. **रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–**

(क) ग **(ख)** त्र **(ग)** क **(घ)** अ **(ङ)** फ **(च)** व, न **(छ)** श

दशमः पाठः

1. **संस्कृत शब्द–**

(क) बिडालौ **(ख)** अश्वौ **(ग)** छत्रे **(घ)** नीडे **(ङ)** मृगौ **(च)** अम्बे

2. **हिन्दी शब्द–**

(क) दो कबूतर **(ख)** दो मोर **(ग)** दो डॉक्टर **(घ)** दो शेर **(ङ)** दो घोड़े **(च)** दो किसान

3. **संस्कृत और हिन्दी शब्दों का मिलान–**

(क) कृषकौ **(ख)** कपोतौ **(ग)** अश्वौ **(घ)** बिडालौ **(ङ)** बालकौ **(च)** मयूरौ **(च)** सिंहौ

4. **रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–**

(क) ल **(ख)** क, ो **(ग)** ग **(घ)** छ **(ङ)** म, र **(च)** ष **(छ)** ह

एकादशः पाठः

1. **संस्कृत शब्द–**

(क) गजाः **(ख)** मयूराः **(ग)** सिंहाः **(घ)** बालकाः **(ङ)** शुकाः **(च)** छत्राणि

2. **हिन्दी शब्द–**

(क) अनेक किसान **(ख)** अनेक लड़के **(ग)** अनेक माताएँ **(घ)** अनेक बन्दर **(ङ)** अनेक

घोड़े **(च)** अनेक घोंसले

3. **संस्कृत और हिन्दी शब्दों का मिलान–**

(क) सिंहाः **(ख)** मयूराः **(ग)** अम्बाः **(घ)** कृषकाः **(ङ)** बालकाः **(च)** वानराः **(छ)** शुकाः

4. **रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–**

(क) म **(ख)** ष, क **(ग)** व, न **(घ)** त्र **(ङ)** क **(च)** ब, ल **(छ)** अ

द्वादशः पाठः

1. **(वनचर पशु, पालतू पशु और आकाश में उड़ने वाले पक्षियों के नाम)–**

(वनचर पशवः)	**(पालित पशवः)**	**(नभचरा पक्षिणः)**
(क) गजः	अश्वः	मयूरः
(ख) भल्लूकः	अजाः	उलूकः
(ग) व्याघ्रः	वृषः	कपोतः
(घ) गर्दभः	कुक्करः	काकः
(ङ) मकरः	बिडाल	शुकः
(च) उष्ट्रः	शशकः	चटकाः

2. **मंजूषा की सहायता से चित्रों के नाम–**

(क) उष्ट्रः **(ख)** शशकः **(ग)** व्याघ्रः **(घ)** कुक्करः **(ङ)** उलूकः **(च)** बिडाल **(छ)** गंडक **(ज)** वृषः **(झ)** भल्लूकः **(ञ)** चटकाः **(ट)** गजः **(ठ)** कोकिला

3. **पशु-पक्षियों के नामों का मिलान–**

(क) गजः **(ख)** उलूकः **(ग)** गर्दभः **(घ)** अश्वः **(ङ)** काकः **(च)** बिडाल **(छ)** व्याघ्रः **(ज)** चटकाः **(झ)** धेनुः **(ञ)** शुकः **(ट)** कुक्करः **(ठ)** शशकः

4. **उचित विकल्प पर (✓) चिह्न–**

(क) a **(ख)** c **(ग)** c **(घ)** a **(ङ)** b **(च)** c **(छ)** a **(ज)** b **(झ)** b **(ञ)** c **(ट)** a **(ठ)** b

संस्कृत-3

द्वितीयः पाठः

1. **महीनों के नाम संस्कृत और अंग्रेजी में–**

(क) ज्येष्ठः/May-June **(ख)** श्रावणः/July-August **(ग)** फाल्गुनः/February-March **(घ)** कार्तिकः/October-November **(ङ)** माघः/January-February **(च)** चैत्रः/March-April

2. **संस्कृत में महीनों के नाम–**

(क) चैत्रः **(ख)** बैशाखः **(ग)** ज्येष्ठः **(घ)** आषाढ़ **(ङ)** श्रावणः **(च)** भाद्रपदः **(छ)** आश्विनः **(ज)** कार्तिकः **(झ)** मार्गशीर्षः **(ञ)** पौषः **(ट)** माघः **(ठ)** फाल्गुनः

3. हिन्दी और संस्कृत महीनों का मिलान–

(क) फाल्गुनः **(ख)** कार्तिकः **(ग)** ज्येष्ठः **(घ)** माघः **(ङ)** बैशाखः **(च)** आषाढ़ः **(छ)** चैत्रः **(ज)** भाद्रपदः

4. निम्नलिखित के हिन्दी शब्द–

(क) मार्च / अप्रैल **(ख)** अक्टूबर / नवम्बर **(ग)** मई / जून **(घ)** दिसम्बर / जनवरी **(ङ)** फरवरी / मार्च **(च)** जुलाई / अगस्त

तृतीयः पाठः

1. **(क)** नरः **(ख)** अश्वः **(ग)** देवः **(घ)** गजः **(ङ)** महिला **(च)** माला **(छ)** झषः **(ज)** मक्षिका **(झ)** नारङ्गम् **(ञ)** गृहम् **(ट)** चक्रम् **(ठ)** आम्रम्

2. शब्दों को पूर्ण–

(क) गजः **(ख)** लता **(ग)** **पत्रम्** **(घ)** **नरः** **(ङ)** **रमा** **(च)** **मयूरः** **(छ)** पुस्त**कम्** **(ज)** वनम् **(झ)** देवः **(ञ)** **धरा** **(ट)** नि**शा** **(ठ)** गृहम्

3. संस्कृत में पुल्लिग, स्त्रीलिंग व नपुंसकलिंग के पाँच शब्द–

पुल्लिंग – **(क)** नरः **(ख)** कृषकः **(ग)** गजः **(घ)** वृषभः **(ङ)** रजकः

स्त्रीलिंग – **(क)** अजा **(ख)** अम्बा **(ग)** झषः **(घ)** बालिका **(ङ)** रमा

नपुंसकलिंग–(क) चक्रम् **(ख)** पुस्तकम् **(ग)** फलम् **(घ)** गृहम् **(ङ)** वनम्

4. पुल्लिंग, स्त्रीलिंग तथा नपुसंकलिंग चित्रों के संस्कृतभाषा में नाम–

(क) गजः **(ख)** झषः **(ग)** सूर्यः **(घ)** रमा **(ङ)** गहम् **(च)** माला **(छ)** पुष्पम् **(ज)** महिला **(झ)** देवः **(ञ)** नारङ्गम् **(ट)** लता **(ठ)** सिंहः

चुतर्थः पाठः

1. संस्कृतभाषा में अनुवाद–

(क) सिंहः **(ख)** गजाः **(ग)** अश्वौ **(घ)** बालकः **(ङ)** बालकाः **(च)** मृगः **(छ)** सिंहौ **(ज)** देवाः

2. चित्रों के संस्कृतभाषा में नाम–

(क) गजः **(ख)** अश्वौ **(ग)** सिंहाः **(घ)** मृगौ **(ङ)** देवः **(च)** बालकाः **(छ)** अश्वाः **(ज)** बालक **(झ)** देवाः

3. रिक्त स्थानों में उचित वचन–

	एकवचनम्	**द्विवचनम्**	**बहुवचनम्**
(क) बालक	बालकः		बालकाः
(ख) देव	देवः	देवौ	
(ग) राम	रामः		रामाः
(घ) अश्व		अश्वौ	अश्वाः

(ङ) सिंह	सिंह	सिंहौ	
(च) गज	गजः	गजौ	
(छ) शुक		शुकौ	शुकाः
(ज) छात्र	छात्रः	छात्रौ	

4. वचन के आधार पर अलग-अलग शब्द–

एकवचनम्	द्विवचनम्	बहुवचनम्
(क) नरः	रजकौ	अम्बाः
(ख) छत्रम्	गजौ	नीडानि
(ग) अश्वः	देवौ	बालकाः
(घ) वानरः	मयूरौ	मृगाः
(ङ) सिंहः	मृगौ	देवाः

पंचमः पाठः

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में–

(क) बालकः पठति। **(ख)** प्रभा हसति। **(ग)** आम्रम् पतति। **(घ)** घटिका समयं सूचयति।

2. चित्र के आधार पर रिक्त स्थानों की पूर्ति–

(क) पठति **(ख)** अश्वः **(ग)** सिंहः **(घ)** प्रभा

3. रिक्त स्थानों की पूर्ति–

(क) आम्रम् **(ख)** बालकः **(ग)** घटिका **(घ)** हसति

4. संस्कृतभाषा में अनुवाद–

(क) बालकः पठति। **(ख)** रमा हसति। **(ग)** सः चलति। **(घ)** सः पठति। **(ङ)** सा प्रिया अस्ति।

षष्ठः पाठः

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में–

(क) गजः चलति। **(ख)** बालिका नृत्यति। **(ग)** गजः शनैः शनैः चलति। **(घ)** पुष्पमं सुन्दरम् अस्ति।

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति–

(क) गजः **(ख)** शनैः शनैः **(ग)** बालिका **(घ)** सुन्दरम्

3. संस्कृतभाषा में अनुवाद–

(क) एषा रमा अस्ति। **(ख)** एषः अश्वः अस्ति। **(ग)** एतत् पुष्पमं सुन्दरम् अस्ति। **(घ)** एषा बालिका पठति। **(ङ)** एषः सिंहः अस्ति।

4. चित्र के आधार पर रिक्त स्थानों की पूर्ति–

(क) बालकः **(ख)** अजा **(ग)** वानरः **(घ)** पुस्तकम्

सप्तमः पाठः

1. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में–**

   (क) शुकस्य वर्णः हरितः अस्ति। **(ख)** झषः जलम् तरति। **(ग)** अयम् शुकः अस्ति। **(घ)** इदम् चक्रम् अस्ति।

2. **चित्र के आधार पर रिक्त स्थानों की पूर्ति–**

   (क) मयूरः **(ख)** बालिका **(ग)** फलम् **(घ)** सिंहः

3. **रिक्त स्थानों की पूर्ति–**

   (क) शुकः **(ख)** झषः **(ग)** वर्णः **(घ)** चक्रम्

4. **संस्कृतभाषा में अनुवाद–**

   (क) अयम् सिंहः अस्ति। **(ख)** इयम् बालिका अस्ति। **(ग)** इदम् फलम् अस्ति। **(घ)** इयम् अजा अस्ति। **(ङ)** इदम् चक्रम् अस्ति।

अष्टमः पाठः

1. **धातु (लट् लकार) (वर्तमान काल)**

धातु 'धाव्' (दौड़ना)

	एकवचनम्	**द्विवचनम्**	**बहुवचनम्**
प्रथम पुरुष	धावति	धावतः	धावन्ति
मध्यम पुरुष	धावसि	धावथः	धावथ
उत्तम पुरुष	धावामि	धावावः	धावामः

धातु 'चल्' (चलना)

	एकवचनम्	**द्विवचनम्**	**बहुवचनम्**
प्रथम पुरुष	चलति	चलतः	चलन्ति
मध्यम पुरुष	चलसि	चलथः	चलथ
उत्तम पुरुष	चलामि	चलावः	चलामः

धातु 'हस्' (हँसना)

	एकवचनम्	**द्विवचनम्**	**बहुवचनम्**
प्रथम पुरुष	हसति	हसतः	हसन्ति
मध्यम पुरुष	हससि	हसथः	हसथ
उत्तम पुरुष	हसामि	हसावः	हसामः

धातु 'खेल' (खेलना)

	एकवचनम्	**द्विवचनम्**	**बहुवचनम्**
प्रथम पुरुष	खेलति	खेलतः	खेलन्ति
मध्यम पुरुष	खेलसि	खेलथः	खेलथ
उत्तम पुरुष	खेलामि	खेलावः	खेलामः

धातु 'इष्' (इच्छा करना)

	एकवचनम्	**द्विवचनम्**	**बहुवचनम्**
प्रथम पुरुष	इच्छति	इच्छतः	इच्छन्ति
मध्यम पुरुष	इच्छसि	इच्छथः	इच्छथ
उत्तम पुरुष	इच्छामि	इच्छावः	इच्छामः

2. धातु का वर्तमान काल में शुद्ध रूप–

(क) पठन्ति **(ख)** धावति **(ग)** चलतः **(घ)** क्रीडन्ति **(ङ)** चरन्ति **(च)** खादतः **(छ)** पिबति **(ज)** वदतः **(झ)** धावतः **(ञ)** गच्छति

3. शब्दों को वाक्य रचना संस्कृत में–

(क) छात्रः पठति। **(ख)** रामः हसति। **(ग)** त्वम् लिखसि। **(घ)** अश्वः धावति। **(ङ)** पिकौ कूजतः। **(च)** शुकौ वदतः। **(छ)** सैनिकाः रक्षन्ति।

4. (धातुरूप)–

(क)	प्रथम पुरुष	पठति	....	पठन्ति
	मध्यम पुरुष	....	पठथः	पठथ
	उत्तम पुरुष	पठामि	पठावः	....
(ख)	प्रथम पुरुष	....	खेलतः	खेलन्ति
	मध्यम पुरुष	खेलसि	खेलथः	....
	उत्तम पुरुष	खेलामि	....	खेलामः
(ग)	प्रथम पुरुष	....	पिबतः	पिबन्ति
	मध्यम पुरुष	पिबसि	....	पिबथ
	उत्तम पुरुष	....	पिबावः	पिबामः

नवमः पाठः

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में–

(क) गंगा नदी अस्ति। **(ख)** गंगा हिमालयात् आगच्छति। **(ग)** आवाम् बालकौ स्वः। **(घ)** बालकौ दुग्धं पिबथः। **(ङ)** वानराः कदलीफलानि खादथ।

2. उचित शब्दों से रिक्त स्थानों की पूर्ति–

(क) मानवः **(ख)** आगच्छसि **(ग)** दुग्धं **(घ)** वानराः **(ङ)** वयम्

3. संस्कृत वाक्यों की रचना–

(क) अहम् गच्छामि। **(ख)** त्वम् चतुरः छात्रः असि। **(ग)** युवाम् मधुरम् वदतः। **(घ)** आवाम् कृषकौ स्वः। **(ङ)** वयम् भारतीयाः स्मः।

4. क्रियापदों को कर्तापदों से मिलाना–

(क) (c) **(ख)** (f) **(ग)** (a) **(घ)** (e) **(ङ)** (b) **(च)** (d)

दशमः पाठः

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में–

(क) राहुलः सदैव सत्यं वदति। **(ख)** राहुलः आदर्शः बालक अस्ति। **(ग)** सः प्रातः भ्रमणाय गच्छति। **(घ)** विद्यालये अध्यापकान् राहुलः नमति। **(ङ)** राहुलः प्रतिदिनम् विद्यालयं गच्छति।

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए।

(क) पूर्णावकाशे **गृहम्** आगच्छति। **(ख)** राहुलः **आदर्श** बालकः **अस्ति**। **(ग)** सदैव सत्यं **वदति**। **(घ)** भोजनम् कृत्वा **दन्तधावनम्** करोति। **(ङ)** दुग्धम् **अपि** पिबति।

3. वाक्यों की हिन्दी भाषा में अनुवाद–

(क) तोता बोलता है। **(ख)** मोर नाचता है। **(ग)** वे दोनों बालक पढ़ते हैं। **(घ)** मोहन खेलता है। **(ङ)** बैल पानी पीता है।

4. रिक्त स्थानों की पूर्ति–

(क) खादसि **(ख)** पठन्ति **(ग)** वानराः **(घ)** तौ **(ङ)** सा **(च)** पिबामः **(छ)** धावन्ति **(ज)** गायतः **(झ)** गर्जन्ति **(ञ)** स्वः

एकादशः पाठः

1. मंजूषा की सहायता से चित्रों के नाम–

(क) कूपः **(ख)** निम्बूकम् **(ग)** इन्दु **(घ)** निर्झरः **(ङ)** कदलीफलम् **(च)** जलधरः **(छ)** रविः **(ज)** दाडिमम् **(झ)** रात्रिः

2. शरीर के अंगो के, जीव-जन्तु और फलों के नाम संस्कृत में–

शरीर के अंगो के नाम

(क) लोचनम् **(ख)** मुखम् **(ग)** कर्णः **(घ)** दन्तः **(ङ)** उदरम् **(च)** नासिका

जीव-जन्तु के नाम

(क) अश्वः **(ख)** मृगः **(ग)** सर्पः **(घ)** शशकः **(ङ)** व्याघ्रः **(च)** उलूकः

फलों के नाम

(क) आम्रम् **(ख)** नारिकेलम् **(ग)** द्राक्षा **(घ)** सेवम् **(ङ)** दाडिमम् **(च)** जम्बूफलम्

3. निम्नलिखित पदों वर्ण-वियोजन

(क) त् + अ + ण् + ड् + उ + ल् + अ + म् + अ **(ख)** प् + उ + स् + त् + अ + क् + अ + म् **(ग)** न् + अ + व् + ई + न् + अ + त् + अ + म् **(घ)** क्ष् + उ + र् + इ + क् + आ **(ङ)** द् + अ + ध् + इ **(च)** व् + अ + स् + अ + न् + अ + म् **(छ)** र् + ओ + ट् + इ + क् + आ **(ज)** ल् + ए + ख् + अ + न् + ई **(झ)** क्ष् + ई + र् + अ + म् **(ञ)** अ + औ + ष् + अ + ध् + अ + म्

4. परस्पर मिलान कीजिए–

(क) सेविका **(ख)** कृषकः **(ग)** चिकित्सकः **(घ)** मालाकारः **(ङ)** कुम्भकारः **(च)** परिचायिकाः **(छ)** रजकः **(ज)** निरीक्षकः **(झ)** गुरुः **(ञ)** काष्ठकारः

5. **निम्नलिखित के संस्कृत शब्द–**

(क) कर्मशाला **(ख)** नगरम् **(ग)** देवालयः **(घ)** विद्यालयः **(ङ)** चलचित्रालयः **(च)** गृहम् **(छ)** उद्यानम् **(ज)** पाकशाला

6. **विलोम पद का मिलान कीजिए–**

(क) जननी **(ख)** पितामही **(ग)** भ्राता **(घ)** पितृव्या **(ङ)** अग्रजः **(च)** आत्मजः

7. **निम्नलिखित शब्दों के शुद्ध शब्द–**

(क) लोचनम् **(ख)** शिल्पकारः **(ग)** श्रमिकः **(घ)** घृतम् **(ङ)** चपला **(च)** मूषकः **(छ)** मक्षिकाः

संस्कृत-4

प्रथमः पाठः

1. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में–**

(क) मम नाम .... अस्ति। **(ख)** मम जनकस्य नाम .... अस्ति। **(ग)** मम अम्बायाः नाम .... अस्ति। **(घ)** अम्बा गीतं श्रावयति। **(ङ)** अम्बा नित्यं भोजनं पचति। **(च)** वयम् अम्बायाः चरणौ प्रणमामः।

2. **निम्नलिखित वाक्यों के रिक्तस्थानों की पूर्ति–**

(क) अम्बा **(ख)** पालयति **(ग)** श्रावयति **(घ)** नित्यं **(ङ)** अम्बा, सर्वस्वम्

3. **स्त्रीलिंग शब्दों द्वारा प्रथमा विभक्ति से रिक्त स्थानों की पूर्ति–**

(क) अम्बा	अम्बे	अम्बाः
(ख) नदी	नद्यौ	नद्यः
(ग) लता	लते	लताः
(घ) वधूः	वध्वौ	वध्वः
(ङ) रमा	रमे	रमाः
(च) राधा	राधे	राधाः

4. **सभी छात्र अपनी माता (Mother) का फोटो बॉक्स में चिपकाएं–**

5. **मंजूषा की सहायता से पाँच वाक्य–**

(क) एषा मम अम्बा अस्ति। **(ख)** एषा पाकशाला अस्ति। **(ग)** पाकशालायाम् अम्बा भोजनम् पचति। **(घ)** एकः बालकः अत्र जलम् पिबति। **(घ)** सूदः भोजनम् नयति।

द्वितीयः पाठः

1. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में–**

(क) सः बालकः लिखति। **(ख)** सा छात्रा पठति। **(ग)** शुकौ वदतः। **(घ)** चटके उत्पततः। **(ङ)** अजाः चरन्ति। **(च)** वानराः धावन्तिः।

2. **वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद–**

(क) सः बालकः लिखति। **(ख)** छात्रः पठति। **(ग)** वानरौ धावतः। **(घ)** सा छात्रा क्रीडति। **(ङ)** तौ शुकौ वदतः। **(च)** अश्वाः धावन्ति।

3. वाक्यों में प्रयुक्त क्रियाएँ शुद्ध–

(क) गच्छति **(ख)** लिखतः **(ग)** गच्छति **(घ)** आगच्छथ **(ङ)** अस्मि **(च)** पश्यामः

4. कोष्ठक से उचित शब्दों से रिक्तस्थान की पूर्ति–

(क) गच्छति **(ख)** असि **(ग)** वादयति **(घ)** कन्दुकं **(ङ)** भ्रमतः

5. शब्दों का संस्कृत वाक्य में प्रयोग–

(क) सः शुकः हरितः अस्ति। **(ख)** वानराः वृक्षे उपविशन्ति। **(ग)** गजाः शनैः शनैः शनैः चलन्ति। **(घ)** सिंहाः गर्जन्ति। **(ङ)** सः कस्य अश्वः अस्ति। **(च)** मृगः तीव्रम् धावति।

तृतीयः पाठः

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में–

(क) शिक्षकः पाठयति। **(ख)** बालिका नृत्यति। **(ग)** अश्वौ धावतः। **(घ)** वर्तकौ तरतः। **(ङ)** शुकाः उत्पतन्ति। **(च)** कोकिलाः कूजन्ति।

2. वाक्यों की प्रयुक्त क्रियाएँ शुद्ध–

(क) एषा नायिका अस्ति। **(ख)** बालिका पठति। **(ग)** गजौ धावतः। **(घ)** एषः कः अस्ति। **(ङ)** मृगाः धावन्ति। **(च)** एतौ बालकौ स्तः।

3. कोष्ठक से उचित शब्द चुनकर रिक्त स्थानों में पूर्ति–

(क) मयूरः **(ख)** शुकाः **(ग)** एषः **(घ)** सिंहः **(ङ)** कोकिलाः **(च)** एते

4. निम्नलिखित का मिलान–

(क) उत्पतन्ति **(ख)** पाठयति **(ग)** तरतः **(घ)** कूजन्ति **(ङ)** नृत्यति **(च)** धावतः

5. निम्न वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद–

(क) एषः मृगः अस्ति। **(ख)** एताः कोकिला सन्ति। **(ग)** एताः बालिकाः सन्ति। **(घ)** एषः भरतः अस्ति। **(ङ)** एते चटके स्तः। **(च)** एषः सत्यं वदति।

चतुर्थः पाठः

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में–

(क) इक्षुः राजस्य शुण्डे अस्ति। **(ख)** बालिकायाः हस्ते भोज्यमञ्जूषा अस्ति। **(ग)** छात्रयोः हस्ते पुस्तकं अस्ति। **(घ)** वानरयोः मुखे कदलीफलम् अस्ति। **(ङ)** मृगाणां पृष्ठे व्याघ्रः अनुधावति। **(च)** बालिकानां पादेषु नूपुराः अस्ति।

2. उचित शब्द से रिक्त स्थानों की पूर्ति–

(क) गजः **(ख)** वानरौ **(ग)** व्याघ्रः **(घ)** पुस्तकम् **(ङ)** अस्ति **(च)** सन्ति

3. वाक्यों का हिन्दी में अनुवाद

(क) यह राजा है। **(ख)** ये सब हिरन हैं। **(ग)** ये दोनों बालक पढ़ते हैं। **(घ)** ये सब फल गिरते हैं। **(ङ)** यह लड़की लिखती है। **(च)** ये दोनों बन्दर खेलते है।

4. मिलान–

(क) नृत्यति **(ख)** गर्जन्ति **(ग)** कूजन्ति **(घ)** गुञ्जन्ति **(ङ)** धावति **(च)** पुष्पम्

5. निम्नलिखित वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद–

(क) अयं मयूरः वने नृत्यति। **(ख)** इमौ बालकौ क्रीडतः। **(ग)** इमे बकाः सन्ति। **(घ)** इदम् पुष्पम् अस्ति। **(ङ)** इमानि चक्राणि सन्ति। **(च)** इदम् भवनम् अस्ति।

पंचमः पाठः

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में–

(क) एतत् गृहं विवेकस्य अस्ति। **(ख)** विवेकस्य उत्तमः छात्रः अस्ति। **(ग)** श्रीवेणीप्रसादः विवेकस्य जनकः अस्ति। **(घ)** विवेकस्य परिवारः लघुः आदर्शं च अस्ति। **(ङ)** लघुः परिवारः समृद्ध सम्पन्नः च भवति। **(च)** पुष्पाणाम् उपरि भ्रमराः गुंजन्ति।

2. उचित पद से रिक्त स्थानों की पूर्ति–

(क) उद्यानस्य **(ख)** श्वानः **(ग)** उत्तमः **(घ)** भ्रमराः **(ङ)** श्वेतः

3. निम्न शब्दों की संस्कृत में वाक्य रचना–

(क) <u>मम</u> नाम कृष्णः अस्ति। **(ख)** एतत् <u>तस्य</u> श्वानः अस्ति। **(ग)** इदं मम <u>गृहम्</u> अस्ति। **(घ)** उत्तमः छात्रः गुरुं प्रणमति **(ङ)** रविस्य लघुः <u>परिवारः</u> अस्ति। **(च)** काकस्य <u>वर्णः</u> कृष्णः भवति।

4. वाक्यों का हिन्दी भाषा में अनुवाद–

(क) यह किसान का घर है। **(ख)** राम भरत के बड़े भाई थे। **(ग)** जनक मिथिला के राजा थे। **(घ)** मुकुल के पिता डॉक्टर है। **(ङ)** राम दशरथ के पुत्र थे।

5. षष्ठी विभक्ति से रिक्त स्थानों की पूर्ति–

(क) वृक्षाणां **(ख)** पुष्पाणां **(ग)** रामस्य **(घ)** कण्ठस्य **(ङ)** कोकिलायाः **(च)** जनस्य

षष्ठः पाठः

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में–

(क) अहम् संस्कृतं पठामि। **(ख)** मम नाम विनयः अस्ति। **(ग)** वयम् अवकाशसमये क्रीडाक्षेत्रं गच्छामः। **(घ)** वयम् क्रीडाक्षेत्रं क्रीडामः। **(ङ)** क्रीडनं स्वास्थ्याय हितकरं भवति। **(च)** वयम् ध्यानेन अद्य पठिष्यामः।

2. निम्न पदों की वाक्य रचना संस्कृत में–

(क) सर्वे <u>छात्राः</u> पत्रं लिखिष्यन्ति। **(ख)** यूयम् <u>मयराष्ट्रं</u> गमिष्यथ। **(ग)** <u>वयम्</u> भ्रमराः स्मः। **(घ)** अहम् पत्रम् <u>पठामि</u>। **(ङ)** यूयम् <u>क्रीडाक्षेत्रम्</u> गच्छथ। **(च)** हे <u>मित्र</u>! त्वम् किम् पिबसि?

3. शुद्ध क्रियाएँ–

(क) गमिष्यति **(ख)** लिखतः **(ग)** गच्छति **(घ)** आगच्छथ **(ङ)** पतन्ति

4. रिक्त स्थानों की पूर्ति–

(क) विद्यालयं **(ख)** स्नेहेन **(ग)** विनयः **(घ)** स्वास्थ्याय **(ङ)** संस्कृत **(च)** क्रीडाक्षेत्रं

5. निम्नलिखित वाक्यों का हिन्दी में अनुवाद–

(क) हे मोहन! तुम क्या लिखते हो? **(ख)** हम सब संस्कृत पढ़ते हैं। **(ग)** तुम रवि हो। **(घ)** हे छात्रा! तुम सब क्या पढ़ते हो? **(ङ)** मैं आम खाता हूँ।

सप्तमः पाठः

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में–

(क) मयूरः पक्षी नीलवर्णः अस्ति। **(ख)** मातामही भोजनमं पचति **(ग)** काकः वृक्षे वसति। **(घ)** उष्ट्रः मरुभूमौ वसति। **(ङ)** मयूरस्य वर्णः नीलः भवति। **(च)** व्याघ्रः वने वसति।

2. शुद्ध क्रियाएँ–

(क) धेनुः दुग्धं यच्छति। **(ख)** त्वम् भोजनं पचसि। **(ग)** कृषकाः क्षेत्रं कर्षन्ति। **(घ)** अश्वः धावति। **(ङ)** त्वम् कोकिला असि।

3. निम्न वाक्यों का हिन्दी भाषा में अनुवाद–

(क) काकस्य वर्णः कृष्णः भवति। **(ख)** त्वम् मातामही असि। **(ग)** धेनुः दुग्धं ददाति। **(घ)** मातामही भोजनं पचति। **(ङ)** अजायाः वर्णः श्वेत भवति। **(च)** किम् त्वम् सिंहः असि?

4. संस्कृत वाक्य प्रयोग–

(क) त्वम् शीघं गृहम् गच्छसि। **(ख)** वयम् नित्यं भ्रमेम। **(ग)** अहम् बसयानेन विद्यालयं गच्छामि। **(घ)** काकः पिपासितः अस्ति। **(ङ)** चन्द्रस्य श्वेतवर्णः भवति। **(च)** वनेः एकः भिक्षुकः वसति।

5. हिन्दी और संस्कृत वाक्यों का मिलान–

(क) वृक्षाः हरिताः सन्ति। **(ख)** हंसः श्वेतः भवति। **(ग)** काकः अपि कृष्णः अस्ति। **(घ)** वृक्षे कुसुमानि विकसन्ति। **(ङ)** मयूरः नीलः भवति।

अष्टमः पाठः

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में–

(क) शरीरस्य शुद्धिः स्नानेन भवति। **(ख)** मानवस्य तृप्ति मानेन भवति। **(ग)** मनुष्याणां आलस्यं महान् शत्रुः अस्ति। **(घ)** चन्दनं शीतलं लोके। **(ङ)** चन्द्रः चन्दनेन अपि शीतलं भवति। **(च)** श्रेष्ठ जनं गुरु च कर्मणाा सेवेत।

2. श्लोकों का हिन्दी भाषा में अनुवाद–

(क) अनुवाद– संसार में चन्दन को शीतल माना जाता है। परन्तु चन्द्रमा, चन्दन से भी शीतल होता है। अच्छे मित्रों का साथ चन्द्रमा और चन्दन दोनों की तुलना में अधिक शीतलता देने वाला होता है।

(ख) अनुवाद– अच्छे लोगों के मन में जो बात होती है, वे वही बोलते है और ऐसे लोग जो बोलते हैं, वही करते है। सज्जन पुरुषों के मन, वचन और कर्म तीनों में एकरूपता होती है।

3. शब्दरूपों की विभक्ति और वचन–

विभक्ति	वचनम्
(क) षष्ठी	बहुवचनम्
(ख) प्रथमा	एकवचनम्
(ग) तृतीया	एकवचनम्
(घ) सप्तमी	एकवचनम्
(ङ) द्वितीया	एकवचनम्

4. **चित्र देखकर मंजूषा की सहायता से पाँच वाक्य–**

(क) चित्रे एकः कुटजः अस्ति। **(ख)** अत्र एकः वृक्षः अपि अस्ति। **(ग)** तापसः यजति। **(घ)** मयूरः नृत्यति। **(ङ)** एकः हरिणः अपि तिष्ठति।

5. **निम्न वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद–**

(क) सदाचारेण लोकस्य उन्नतिः भवति। **(ख)** सदाचारेण विश्वासं वर्धते। **(ग)** सदाचारेण मानवः दीर्घायुः भवति। **(घ)** सदाचारी सदा मधुरं वदति। **(ङ)** सदाचारयुक्तः जनः सर्वत्र आदरं करोति। **(च)** सदाचारेण आत्मशक्तिः वर्धते।

नवमः पाठः

1. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में–**

(क) ऋतुराजः वसन्तः भवति। **(ख)** वसन्ते खगकुलम् दिशि दिशि धावन्ति। **(ग)** भ्रमराः पुष्पाणि विलोक्य इतस्ततो भ्रमन्ति। **(घ)** कृषकाः नवसस्यानि दृष्ट्वा प्रसन्नाः भवन्ति।

2. **उचित शब्द से रिक्त स्थानों की पूर्ति–**

(क) मुख्योत्सवः **(ख)** ऋतवः **(ग)** शारदां **(घ)** वसन्तः

3. **निम्न धातु के लकार और वचन**

	पदम्	**लकारः**	**वचनम्**
(क)	धावन्ति	(लट्लकार)	बहुवचनम्
(ख)	भ्रमसि	(लट्लकार)	एकवचनम्
(ग)	भवतः	(लट्लकार)	द्विवचनम्
(घ)	अस्ति	(लट्लकार)	एकवचनम्
(ङ)	नृत्यन्ति	(लट्लकार)	बहुवचनम्
(च)	पचावः	(लट्लकार)	द्विवचनम्

4. **संस्कृत वाक्य प्रयोग–**

(क) वसन्तः उत्सवः माघमासस्य भवति। **(ख)** कृषकाः वृषेभ्यः तृणम् आनयति। **(ग)** मालाकारः उद्यानात् पुष्पाणि चिनोति। **(घ)** अस्मिन् दिने जनाः शारदां पूजयन्ति।

5. **निम्नलिखित वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद–**

(क) वसन्तः ऋतुराजः भवति। **(ख)** भारतवर्षे षड् ऋतवः भवन्ति। **(ग)** अस्मिन् दिने जनाः शारदां पूजयन्ति। **(घ)** वसन्तः कामदेवस्य सखा अस्ति। **(ङ)** अस्मिन् दिने बहवः जनाः पीतः वस्त्राणि धारयन्ति।

दशमः पाठः

1. **अव्ययों से रिक्त स्थानों की पूर्ति–**

(क) कदा **(ख)** यदा **(ग)** अधुना **(घ)** तु **(ङ)** तदा **(च)** एव **(छ)** अपि **(ज)** च **(झ)** न **(ञ)** हि

2. **अव्ययों से रिक्त स्थानों की पूर्ति–**

(क) सर्वत्र **(ख)** ऋतु **(ग)** अधः **(घ)** यत्र, तत्र **(ङ)** यथा **(च)** अत्र **(छ)** अपि **(ज)** शनैः-शनैः **(झ)** मन्दम्-मन्दम् **(ञ)** इतः-ततः

3. **निम्नलिखित शब्दों की वाक्य-रचना संस्कृत में–**

(क) रमा अत्र आगमिष्यति। **(ख)** सः अपि गच्छति। **(ग)** श्वः अवकाशः भविष्यति।

(घ) एकदा अहं वनम् अगच्छम्। **(ङ)** सज्जनाः सर्वदा परोपकारं कुर्वन्ति। **(च)** गजः शनैः-शनैः चलति।

4. **निम्न वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद**

(क) अद्य वृष्टिः भविष्यति। **(ख)** सर्वदा सत्यं वदेत। **(ग)** ह्यः सोमवासरः आसीत्। **(घ)** रामः श्यामः च मित्रौ स्तः। **(ङ)** त्वम् मन्दं-मन्दं हससि। **(च)** आम्, अहम् मयूरः अस्मि।

5. **उचित अव्यय से वाक्य पूर्ण–**

(क) मृषा **(ख)** सत्वरं **(ग)** इतस्ततः **(घ)** पुरा **(ङ)** सायं **(च)** बहिः

संस्कृत-5

द्वितीयः पाठः

1. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में–**

(क) कपोतः सरलः खगः अस्ति। **(ख)** जनाः कपोतान् स्वमनोरञ्जनार्थम् पालयन्ति। **(ग)** मयूरस्य नृत्यम् प्रसिद्धम् अस्ति। **(घ)** वसन्ततौं कोकिला रसालवृक्षे गायति। **(ङ)** कोकिला स्वरः मधुरः भवति। **(च)** पुष्पाणि उदयानेषु विकसन्ति।

2. **रिक्त स्थानों की पूर्ति–**

(क) पठतः **(ख)** अस्ति **(ग)** बालकः **(घ)** कूजति **(ङ)** भवति **(च)** पुष्पम्

3. **क्रियाशब्द शुद्ध–**

(क) बालकः पुस्तकं पठति। **(ख)** पिकाः कूजन्ति। **(ग)** अश्वाः धावन्ति। **(घ)** शुकौ वदतः। **(ङ)** गजः चलति।

4. **(क)** (c) **(ख)** (a) **(ग)** (a) **(घ)** (c)

5. **(कः, के) द्वारा प्रश्न निर्माण–**

(क) कः लिखति? **(ख)** के रक्षन्ति? **(ग)** के धावन्ति? **(घ)** कः खादति? **(ङ)** कः गच्छति?

तृतीयः पाठः

1. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में–**

(क) अस्मिन् पाठे मातुलचन्द्रः मातुलः। **(ख)** नीलाकाशः अतिशयविस्तृत अस्ति। **(ग)** मातुलचन्द्रः स्नेहम् न किरसि। **(घ)** गीतिम् श्रावयितुं शिशुंः चंद्र कथयति। **(ङ)** चन्द्रस्य सितपरिधानं तारकरवचितं अस्ति।

2. **पंद्याशों में रिक्त स्थान**

(क) वर्धय **(ख)** मातुलचंद्र **(ग)** नैव दृश्यते **(घ)** मह्यं **(ङ)** मातुलचंद्र

3. **संस्कृत शब्द**

(क) मयूरः **(ख)** कोकिलाः **(ग)** तारकम् **(घ)** मातुलः **(ङ)** कपोतः **(च)** चन्द्रः

4. **मञ्जूषा से उचित अव्ययपद–**

(क) कुत्र **(ख)** कुतः **(ग)** किम् **(घ)** कथम् **(ङ)** कदा

बहुविकल्पीय

5. (क) (b) **(ख)** (c) **(ग)** (d) **(घ)** (a)

चुतर्थः पाठः

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में–

(क) व्याघ्रस्य करे स्वर्ण-कंकणम् आसीत्। **(ख)** व्याघ्रः ब्राह्मणस्य हत्वा अखादत्। **(ग)** व्याघ्रः नद्याः तटे अतिष्ठत्। **(घ)** ब्राहमणस्य लोभस्य परिणामः सः महापङ्के निमग्नः अभवत्। **(ङ)** मुग्धः ब्राहमणः नदीं प्राविशत्। **(च)** लोभः पापस्य मूलम् अस्ति।

2. रिक्त स्थानों में उचित शब्द–

(क) सः नद्या <u>तटे</u> अतिष्ठत्। **(ख)** येन अंह <u>पुण्यम्</u> अर्जेयम्। **(ग)** <u>ब्राह्मणः</u> महापङ्के निमग्नः अभवत्। **(घ)** <u>एतत्</u> अधिगच्छत। **(ङ)** मुग्धः ब्राह्मणः नदीं <u>प्राविशत्</u>। **(च)** कश्चित् वृद्धः <u>व्याघ्रः</u> आसीत्।

3. निम्नलिखित वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद–

(क) वयम् मित्राणां सहायतां कुर्याम। **(ख)** ज्ञान विना सुखं नास्ति। **(ग)** सदाचारेण विश्वासं वर्धते। **(घ)** संतोषः उत्तमं सुखः अस्ति। **(ङ)** रात्रिः गमिष्यतिः भविष्यति सुप्रभातम्। **(च)** व्याघ्रः नद्याः तटे अतिष्ठत्।

4. सन्धि

(क) कस्यापि **(ख)** नदीव **(ग)** धर्मार्थ **(घ)** विद्यालयः **(ङ)** प्रतीक्षा **(च)** भानूदयः

5. निम्न शब्दों का संस्कृत वाक्य में प्रयोग

(क) विश्वासम् – सदाचारेण <u>विश्वासम्</u> वर्धते। **(ख)** ब्राह्मणः – <u>ब्राह्मणः</u> मुग्धः आसीत्। **(ग)** दृष्ट्वा – अहं चित्रपटं <u>दृष्ट्वा</u> इदानीमेव आगच्छम्। **(घ)** नद्याः – व्याघ्रः <u>नद्याः</u> तटे अतिष्ठत्। **(ङ)** कश्चिद् – <u>कश्चिद्</u> बालकः अत्र आगच्छत्।

6. (क) (a) **(ख)** (c) **(ग)** (b) **(घ)** (d)

पंचम पाठः

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में–

(क) वृक्षाः पादैः पातालं स्पृशन्ति। **(ख)** वृक्षाः वनम् रचयन्ति। **(ग)** विहगाः शारवादोलायाम् आसीनाः। **(घ)** वृक्षाः नभः शिरस्सु वहन्ति। **(ङ)** वृक्षाः कौतुकेनं स्वप्रतिबिम्बम् पश्यन्ति।

2. श्लोक का हिन्दी भाषा में अनुवाद–

अनुवाद– वृक्ष हमेशा वायु और जल पीते हैं अर्थात् सभी वृक्ष सज्जनों की भाँति होते हैं तथा वे सज्जनों के समान ही हमारा उपकार (मदद) करते हैं।

वृक्ष पैरों से (जड़ों से) पाताल को छूते हैं और सिरों पर आकाश को ढोते हैं अर्थात् सभी वृक्ष महान हैं जो अत्याधिक कार्यभार सँभालते हैं।

3. भिन्न पदं

(क) लता **(ख)** चित्रम् **(ग)** चटका **(घ)** मोदकम् **(ङ)** देव्याः

4. समानार्थक शब्द

(क) अम्बरम् – गगनम्, आकाशम्, नभः। **(ख)** गृहम् – सदनम्, भवनम्, आलयः।

(ग) दैत्यः – राक्षसः, दानवः, असुरः। **(घ)** गंगा – मन्दाकिनी, सुरसरिता, देवनदी। **(ङ)** पंकजम् – कमलम्, पदमम्, अम्बुजम्।

5. उचित पद से रिक्त स्थानों की पूर्ति–

विभक्ति	एकवचनम्	द्विवचनम्	बहुवचनम्
प्रथमा	अश्वः	अश्वौ	अश्वाः
द्वितीया	सूर्यम्	सूर्यौ	सूर्यान्
तृतीया	पिता	पितृभ्याम्	पितृभिः
चतुर्थी	साधवे	साधुभ्याम्	साधुभ्यः
पंचमी	वृक्षात्	वृक्षेभ्याम्	वृक्षेभ्यः
षष्ठी	पुस्तकस्य	पुस्तकयोः	पुस्तकानाम्
सप्तमी	शिक्षके	शिक्षकयोः	शिक्षकेषु
सम्बोधनम्	हे बालिके!	हे बालिके!	हे बालिकाः!

6. वृक्ष पर संस्कृत में निबन्ध

वृक्षाः जनाः स्वच्छम् वायुः ददाति। वृक्षाः पर्णैः च शोभन्ते। अस्य वर्णः हरितः भवति। वृक्षः CO_2 ग्रहति O_2 वमति। वृक्षाः प्राणरहिताः जडपदार्थाः न। तेषामपि प्राणोऽस्ति। तेऽपि रोगग्रस्ता भवन्ति। वृक्षाः पादैः पातालं स्पृश्यन्ति। वृक्षाः पादैः (मूलैः) जलं पिबन्ति। वृक्षे काकः, चटकः शयेन च तिष्ठन्ति। वृक्षेषु भ्रमराः भ्रमन्ति मधुपानं च कुर्वन्ति। वानराः वृक्षेषु कूर्दन्ति। वृक्षेण फलानि विकसन्ति। जनाः वृक्षाणां फलानि भक्षयन्ति। वृक्षाः परोपकाराय फलन्ति।

षष्ठः पाठः

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में–

(क) रोहन प्रातःकाले शय्याम् त्यजति। **(ख)** रोहनः हस्तेन मार्जनीं गृहीत्वा कक्षं स्वच्छं करोति। **(ग)** सः जलेन हस्तपादौ च प्रक्षालयति। **(घ)** रोहनः दन्ततूलिकया दन्तधावनं करोति। **(ङ)** ईश्वरेण विना सर्वं शून्यम् अस्ति। **(च)** भोजनं कृत्वा सः शयनं करोति।

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति–

(क) गच्छति **(ख)** विद्यालयं **(ग)** कलमेन **(घ)** रमेशः **(ङ)** सायंकाले

3. प्रश्नात्मक शब्दों से प्रश्न–

(क) अभ्यासं विना किं दृढं न भवति? **(ख)** सा केन क्रीडति? **(ग)** सोमनाथः कुत्र गच्छति? **(घ)** स कदा धावति? **(ङ)** मत्स्याः कस्मिन् वसन्ति?

4. पुल्लिंग शब्दों के उचित रूपों द्वारा रिक्त स्थानों की पूर्ति (द्वितीया विभक्ति)

	एकवचनम्	द्विवचनम्	बहुवचनम्
(क) नृपः	नृप	नृपौ	नृपाः
(ख) अश्वः	अश्वम्	अश्वौ	अश्वान्

(ग) अजः	अजम्	अजौ	अजान्

5. स्त्रीलिंग शब्दों के (तृतीया विभक्ति) के उचित रूपों द्वारा रिक्त स्थानों की पूर्ति–

(क) विद्या	विद्यया	विद्याभ्याम्	विद्याभिः
(ख) लता	लतया	लताभ्याम्	लताभिः
(ग) नदी	नद्या	नदीभ्याम्	नदीभिः

6. नपुंसकलिंग शब्दों के (पंचमी विभक्ति) के उचित रूपों द्वारा रिक्त स्थानों की पूर्ति–

(क) वनम्	वनात्	वनाभ्याम्	वनेभ्यः
(ख) पुस्तकम्	पुस्तकात्	पुस्तकाभ्याम्	पुस्तकेभ्यः
(ग) पुष्पम्	पुष्पात्	पुष्पाभ्याम्	पुष्पेभ्यः

7. 'दिनचर्या' पर संस्कृत में निबन्ध–

(क) अहम् प्रतिदिनं षड्वादने उत्तिष्ठामि। **(ख)** तदनंतरम् योगासनं करोमि। **(ग)** ततः अहम् दन्तधावनम् स्नानं च करोमि। **(घ)** मम माता गृहकार्य करोति। **(ङ)** अहम् तां साहाय्यं करोमि। **(च)** तत्पश्चात् एकादशवादने भोजनं करोमि। **(छ)** तत्पश्चात् अहम् विद्यालयं गच्छामि। **(ज)** अहम् क्रीडामि तदपश्चात् अहम् पुस्तकं पठामि। **(झ)** सार्धं अष्टावादने रात्रि भोजनं करोमि। **(ञ)** तत्पश्चात् दशवादने अहम् शयनं करोमि।

सप्तमः पाठः

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में–

(क) परोपकारः परमो धर्मः अस्ति। **(ख)** वृक्षाः परोपकाराय फलन्ति। **(ग)** महर्षिः दधीचिः देवभ्यः स्व अस्थीनि अददात्। **(घ)** राजा शिविः परोपकाराय स्व शरीरम् अददात्। **(ङ)** नद्य परोपकाराय प्रवहन्ति।

2. उचित शब्दों से रिक्त स्थानों की पूर्ति–

(क) परेषाम् उपकारः परोपकारः कथ्यते। **(ख)** मेघाः परोपकाराय वर्षन्ति। **(ग)** पवनः परोपकाराय वहति। **(घ)** महात्मा गाँधी परोपकाराय कारागारं असेवत्। **(ङ)** प्रकृति अपि परोपकारेसंलग्ना अस्ति।

3. निम्नलिखित वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद–

(क) सज्जनः परोपकारः करोति। **(ख)** मेघाः परोपकाराय जलं वहन्ति। **(ग)** परोपकारः कीर्ति वर्धते। **(घ)** नद्यः परोपकाराय प्रवहन्ति। **(ङ)** वृक्षाः परोपकाराय फलन्ति।

4. निम्नलिखित श्लोक का हिन्दी भाषा में अनुवाद–

अनुवाद– अठारह पुराणों के सार के रूप में महर्षि व्यास ने सिर्फ दो ही बातें कहीं हैं!! दूसरों पर उपकार करने से पुण्य प्राप्त होता है और दूसरों को दुःख देने से पाप।

5. निम्नलिखित शब्दों का संस्कृत वाक्यों में प्रयोग–

(क) वृक्षे – वृक्षे खगाः तिष्ठन्ति। **(ख)** जलम् – रामः जलम् पिबति। **(ग)** नद्याः – नद्याः

जलम् मधुरम् अस्ति। **(घ)** सर्वत्र – सर्वत्र ईश्वरः व्यापकः अस्ति। **(ङ)** परोपकारः – पवनः परोपकाराय वहति।

6. बहुविकल्पीय–

(क) (b) **(ख)** (a) **(ग)** (a) **(घ)** (c)

अष्टमः पाठः

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में–

(क) पृथिवी सत्येन धार्यते। **(ख)** वसुन्धरा बहुरत्ना भवति। **(ग)** मनुष्याणां आलस्य महान् शत्रुः। **(घ)** मक्षिकाः व्रणमिच्छन्ति। **(ङ)** सविता ताम्र एव अस्तमेति।

2. रिक्त स्थानों को उचित शब्दों से पूरा करना–

(क) महतामेकरूपता **(ख)** बहुरत्ना **(ग)** रिपुः **(घ)** कलहमिच्छन्ति, सज्जनाः **(ङ)** सर्वंसत्ये

3. श्लोक का हिन्दी भाषा में अनुवाद–

अनुवाद– मनुष्यों के शरीर में रहने वाला आलस्य ही (उसका) सबसे बड़ा शत्रु होता है। परिश्रम जैसा दूसरा (हमारा) कोई अन्य मित्र नहीं होता क्योंकि परिश्रम करने वाला कभी दुःखी नहीं होता।

4. वाक्यों में क्रियाओं का शुद्ध होना–

(क) मृगाः चरन्ति। **(ख)** अहं पुस्तकं पठामि। **(ग)** त्वं पिबसि। **(घ)** सविता उदेति। **(ङ)** यूयं विद्यालयं गच्छथ। **(च)** ते बालकाः अत्र आगच्छन्ति।

5. निम्नलिखित वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद–

(क) दानेन कीर्तिः वर्धते। **(ख)** विद्या अभ्यासेन आयाति। **(ग)** सत्यं मधुंर व वद। **(घ)** कर्म कृत्वा एव फलम् प्राप्यति। **(ङ)** सत्येन धर्मस्य वृद्धिर्भवति। **(च)** लाभेन लोभः वर्धते।

6. श्लोकांशों का मिलान–

(क) च विज्ञान विनये नये। **(ख)** शन्तिमिच्छन्ति सज्जनाः। **(ग)** ताम्र एव अस्तमेति च। **(घ)** सत्येन तपते रविः।

नवमः पाठः

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में–

(क) गान्धिः महोदयस्य पूर्णनाम मोहनदास करमचन्द्र गाँधी आसीत्। **(ख)** महात्मा गान्धिः मातृ-पितृ भक्तः आसीत्। **(ग)** महात्मा गान्धिः सदैव सत्येम अवदत्। **(घ)** गौराङ्गा बहुमूल्यरत्नानि वस्तूनि धनानि च आंग्लदेशं प्रेशयन्तिस्म। **(ङ)** महात्मा गान्धिः श्रद्धयातम् बापू कथयन्ति। **(च)** वयम् तम् महापुरुष सादरम् नमामः।

2. निम्नलिखित वाक्यों का हिन्दी में अनुवाद–

(क) महात्मा गाँधी परम देशभक्त थे। **(ख)** वह सदैव सत्य बोलते थे। **(ग)** महात्मा गाँधी दूसरे बुद्ध के अवतार थे। **(घ)** मन सत्य से शुद्ध होता है। **(ङ)** ईश्वर तीनों लोकों में व्याप्त है। **(च)** हम सबको ऐसे महापुरुषों को नमस्कार करना चाहिए।

3. रिक्त स्थानों की पूर्ति–

(क) भारतवर्षस्य **(ख)** मोहनदासः **(ग)** सदाचारी **(घ)** गान्धिः **(ङ)** व्युत्पन्नः

4. निम्नलिखित शब्दों के समानार्थक शब्द–

(क) पिता – तातः, जनकः, जन्मदाता। **(ख) दिनम्** – दिवसः, वासरः, वार। **(ग) पवन** – वायुः, अनिलः, समीरः। **(घ) निशा** – रजनी, यामिनी, रात्रिः। **(ङ) देवः** – अमरः, सुरः, विबुधः। **(च) कष्टम्** – दुःखम्, वेदना, पीड़ा।

5. निम्नलिखित वाक्यों का (लृट्लकार) रूप में परिवर्तन–

(क) बालिका भोजनं खादिष्यति। **(ख)** वयम् हिमाचल प्रदेशं गमिष्यामः। **(ग)** त्वम् संस्कृतम् पठिष्यसि। **(घ)** ते चित्राणि रचयिष्यन्ति। **(ङ)** बालकाः पादकन्दुक खेलं खेलिष्यन्ति। **(च)** अश्वः तीव्रं धाविष्यति।

6. निम्न धातुओं के लृट्लकार (भविष्यवकाल) के रूप रिक्त स्थानों में पूर्ति–

यथा	एकवचनम्	द्विवचनम्	बहुवचनम्	पुरुष
(क)	धाविष्यति	धाविष्यतः	धाविष्यन्ति	(प्रथमा)
(ख)	खेलिष्यति	खेलिष्यतः	खेलिष्यन्ति	(प्रथमा)
(ग)	पठिष्यति	पठिष्यतः	पठिष्यन्ति	(प्रथमा)
(घ)	वदिष्यति	वदिष्यतः	वदिष्यन्ति	(प्रथमा)
(ङ)	खादिष्यति	खादिष्यतः	खादिष्यन्ति	(प्रथमा)
(च)	पास्यति	पास्यतः	पास्यन्ति	(प्रथमा)
(छ)	गमिष्यति	गमिष्यतः	गमिष्यन्ति	(प्रथमा)

दशमः पाठः

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में–

(क) भारत कृषिप्रधानः देशः अस्ति। **(ख)** ते स्वपशून् घासं ददति। **(ग)** कृषकाः हलेन भूमिं कर्षन्ति। **(घ)** ग्रामेषु स्वच्छः वायु, शुद्धं दुग्धं, शुद्धं घृतम् शुद्धानि खाद्यवस्तूनि च प्राप्तानि भवन्ति। **(ङ)** उद्यानेषु सुन्दराणि पुष्पाणि दृश्यन्ते। **(च)** ग्रामेषु जनाः प्रातः चतुर्वादने उत्तिष्ठन्ति। **(छ)** ग्रामं परितः शस्यै पूर्णानि क्षेत्राणि भवन्ति।

2. शब्दों के उचित रूप द्वारा रिक्त स्थानों की पूर्ति–

	एकवचनम्	द्विवचनम्	बहुवचनम्
(क)	....	अजयोः	अजासु
(ख)	खगे	खगयोः	....
(ग)	नीडे	....	नीडेषु
(घ)	....	कक्षयोः	कक्षासु
(ङ)	जले	....	जलेषु
(च)	पत्रे	पत्रयोः	....

3. विलोम शब्द–

(क) अधिकाः **(ख)** तत्र **(ग)** जीवनम् **(घ)** सुविधाः **(ङ)** प्रसन्नाः **(च)** प्रातः

4. निम्नलिखित शब्दरूपों विभक्ति और वचन–

	विभक्तिः	**वचनम्**
(क)	सप्तमी	बहुवचनम्
(ख)	सप्तमी	एकवचनम्
(ग)	सप्तमी	द्विवचनम्
(घ)	सप्तमी	एकवचनम्
(ङ)	संबोधन	बहुवचनम्

5. निम्नलिखित वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद–

(क) अस्माकं ग्रामः एक आदर्शः ग्रामः अस्ति। **(ख)** भारतवर्षः कृषिप्रधानः देश अस्ति। **(ग)** ग्रामेषु प्रायेण सर्वे स्वस्थाः भवन्ति। **(घ)** ग्रामस्य वातावरणम् अतीव मनोहरं शान्तिपूर्ण चास्ति। **(ङ)** कृषकः अन्नम् उत्पादयति। **(च)** रामस्य भ्राता ग्रामात् दुग्धं आनयति।

6. बहुविकल्पीय उत्तर

(क) (ii) **(ख)** (iii) **(ग)** (i) **(घ)** (iv)

एकादशः पाठः

1. रेखांकित शब्दों के कारक–

(क) कर्ता कारक **(ख)** कर्म कारक **(ग)** करण कारक **(घ)** सम्प्रदान कारक **(ङ)** अपादान कारक **(च)** करण कारक **(छ)** सम्बन्ध कारक **(ज)** अधिकरण कारक **(झ)** सम्बोधन कारक **(ञ)** कर्ता कारक

2. निम्न शब्द रूपों के विभक्तिः तथा वचनम् के नाम–

	शब्दाः	**विभक्तिः**	**वचनम्**
(क)	(बालकः)	प्रथम	एकवचनम्
(ख)	(अजेभ्यः)	पंचमी	बहुवचनम्
(ग)	(लताम्)	द्वितीया	एकवचनम्
(घ)	(वनाय)	चतुर्थी	एकवचनम्
(ङ)	(गजौ)	द्वितीया	द्विवचनम्
(च)	(फलेषु)	सप्तमी	बहुवचनम्

3. निम्नलिखित के शुद्धं विकल्प के उत्तर–

(क) (b) **(ख)** (a) **(ग)** (c) **(घ)** (b) **(ङ)** (d)

4. शब्दरूपों के कारक और उनके अर्थ–

'देवः' **(God)** (देवता)

विभक्तिः	**एकवचनम्**	**द्विवचनम्**	**बहुवचनम्**
प्रथमा	देवः **(एक देव ने)**	देवौ **(दो देव ने)**	देवाः **(सभी देवों ने)**
द्वितीया	देवम् **(एक देव को)**	देवौ **(दो देवों को)**	देवान् **(सभी देवों को)**
तृतीया	देवेन **(एक देव से) द्वारा**	देवाभ्याम् **(दो देवों से) द्वारा**	देवैः **(सभी देवों से) द्वारा**
चतुर्थी	देवाय **(एक देव के लिए)**	देवाभ्याम् **(दो देवों के लिए)**	देवेभ्यः **(सभी देवों के लिए)**
पंचमी	देवात् **(एक देव से) अलग**	देवाभ्याम् **(दो देवों से) अलग**	देवेभ्यः **(सभी देवों से) अलग**
षष्ठी	देवस्य **(एक देव के)**	देवयोः **(दो देवों के)**	देवानाम् **(सभी देवों के)**
सप्तमी	देवे **(एक देव में), पर**	देवयोः **(दो देव में), पर**	देवेषु **(सभी देवों में), पर**
सम्बोधनम्	हे देव! **(हे देव)!**	हे देवौ! **(हे दो देवों)!**	हे देवाः! **(हे सभी देवों)!**

'धेनुः' **(Cow)** (गाय)

विभक्तिः	**एकवचनम्**	**द्विवचनम्**	**बहुवचनम्**
प्रथमा	धेनुः **(एक गाय ने)**	धेनू **(दो गाय ने)**	धेनवः **(सभी गायों ने)**
द्वितीया	धेनुम् **(एक गाय को)**	धेनू **(दो गायों को)**	धेनूः **(सभी गायों को)**
तृतीया	धेन्वा **(एक गाय से, द्वारा)**	धेनुभ्याम् **(दो गायों से, द्वारा)**	धेनुभिः **(सभी गायों से, द्वारा)**
चतुर्थी	धेन्वै, धेनवे **(एक गाय के लिए)**	धेनुभ्याम् **(दो गायों के लिए)**	धेनुभ्यः **(सभी गायों के लिए)**
पंचमी	धेन्वाः, धेनोः **(एक गाय से (अलग)**	धेनुभ्याम् **(दो गायों से (अलग)**	धेनुभ्यः **(सभी गायों से (अलग)**
षष्ठी	धेन्वाः, धेनोः **(एक गाय का)**	धेन्वोः **(दो गायों के)**	धेनुनाम् **(सभी गायों का)**

सप्तमी	धेन्वाम्, धेनौ	धेन्वोः	धेनुषु
	(एक गाय में (पर)	**(दो गायों में (पर)**	**(सभी गायों में (पर)**
सम्बोधनम्	हे धेनो!	हे धेनू!	हे धेनवः!
	(हे गाय)!	**(हे दो गायें)!**	**(हे सभी गायें)!**

शब्द-रूप (संज्ञा शब्द)

बालक (पुल्लिंग)

	एकवचनम्	**द्विवचनम्**	**बहुवचनम्**
प्रथमा	बालकः	बालका	बालकाः
	(बालक ने)	**(दो बालकों ने)**	**(बालकों ने)**
द्वितीया	बालकम्	बालकौ	बालकान्
	(बालक को)	**(दो बालकों को)**	**(बालकों को)**
तृतीया	बालकेन	बालकाभ्याम्	बालकैः
	(बालक से, द्वारा)	**(दो बालकों से)**	**(बालकों से, द्वारा)**
चतुर्थी	बालकाय	बालकाभ्याम्	बालकेभ्यः
	(बालक के लिए)	**(दो बालकों के लिए)**	**(बालकों के लिए)**
पंचमी	बालकस्य	बालकाभ्याम्	बालकेभ्यः
	(बालक से (अलग)	**(दो बालकों से, अलग)**	**(बालकों से (अलग)**
षष्ठी	बालकस्य	बालकयोः	बालकानाम्
	(बालक के, की, का)	**(दो बालक को, का, की)**	**(बालकों के, का, की)**
सप्तमी	बालके	बालकयोः	बालकेषु
	(बालक में, पर)	**(दो बालकों में, पर)**	**(बालकों में, पर)**
सम्बोधनम्	हे बालक!	हे बालकौ!	हे बालकाः!
	(हे बालक)!	**(हे दो बालकों)!**	**(हे सभी बालकों)!**

सभी अकारान्त पुल्लिंग शब्दों के रूप बालक के समान चलते हैं। जैसे- रामः, देवः, (देवता), अश्वः, (घोड़ा), गजः (हाथी), मयूरः (मोर), अजः (बकरा), वानरः (बन्दर), वृषभः (बैल), हस्तः (हाथ), सूर्यः, चन्द्रः, रथः, देशः, वृक्षः

5. **समस्त कारक और उनकी परिभाषा के लिए** (दशमः पाठः) **देखिए–**

संस्कृत-6

प्रथमः पाठः

1. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में–**

(क) उमासुतः श्रीगणेशः अस्ति। **(ख)** गणेशस्य पितुः शिवः नाम अस्ति। **(ग)** श्रीगणेशः जम्बूफलानि खादति। **(घ)** उमासुतं (श्रीगणेशः) शोकंविनाशकारकं। **(ङ)** सर्वकार्यारम्भे

गणेशः पूजितः। **(च)** श्रीगणेशः चारुफलानि खादति।

2. निम्नलिखित शब्दों का संस्कृत वाक्यों में प्रयोग–

(क) मोदकम् – गणेशः प्रतिदिनं मोदकम् खादति। **(ख)** देवः – मम नाम देवः अस्ति। **(ग)** उमा – उमा एका श्रमशीला बालिका अस्ति। **(घ)** सर्वोतमः – गोविन्दः सर्वोत्तमः छात्रः अस्ति। **(ङ)** गणेशाय – ॐ श्री गणेशाय नमः। **(च)** श्रेष्ठः – कविषु तुलसीदासः श्रेष्ठः अस्ति।

3. निम्नलिखित शब्दों की संधि–

(क) गणेशः **(ख)** नमामि **(ग)** गजाननम् **(घ)** भूतगणादि **(ङ)** विघ्नेश्वर **(च)** महेश्वरः

4. श्लोकांशों का मिलान–

(क) उमासुतं शोकविनाशकारकम् **(ख)** एकदन्तंमहाकायं लम्बोदरगजाननम् **(ग)** गजाननं भूतगणादिसेवितम् **(घ)** विघ्ननाशकरं देवं हेरम्बं प्रणमाम्यहम्

5. प्रार्थनाश्लोक का अर्थ हिन्दी में–

अनुवाद– जो हाथी के समान मुख वाले हैं, भूतगणादि से सदा सेवित रहते हैं, कैथ तथा जामुन फल जिनके लिए प्रिय भोज्य हैं, पार्वती के पुत्र हैं तथा जो प्राणियों के शोक का विनाश करने वाले हैं, उन विघ्नेश्वर के चरणकमलों में नमस्कार करता हूँ।

6. निम्नलिखित वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद–

(क) अहम् गणेशस्य पूजां करोमि। **(ख)** गणेशः अस्माकं सर्वोत्तमः देवः अस्ति। **(ग)** गणेशस्य जननी स्य नाम उमा अस्ति। **(घ)** गणेशस्य मोदकं रोचते। **(ङ)** गणेशस्य वहते मूषक अस्ति। **(च)** वयम् गणेशस्य पूजां कुर्मः।

7. बहुविकल्पीय उत्तर–

(क) (c) **(ख)** (b) **(ग)** (d) **(घ)** (a)

द्वितीयः पाठः

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में लिखिए–

(क) व्यासः कथितम् – "परोपकारः पुण्याय पापाय परपीडनम्। **(ख)** महर्षिः दधीचिः देवानां हिताय स्वीयानि अस्थीनि ददौ। **(ग)** परोपकाराय धनिकाः दीनेभ्यः धनं यच्छन्ति। **(घ)** महाराजः शिविः कपोत रक्षणाय स्वमांसम् श्येनाय अददात्। **(ङ)** धेनवः परोपकाराय दुहन्ति। **(च)** जनाः पठितुं गुरोः समीपं गच्छन्ति।

2. निम्नलिखित शब्दों का संस्कृत में वाक्य प्रयोग–

(क) विदेशेषु धनं मित्रं भवति। **(ख)** सः धेनुः दुग्धं पिबति। **(ग)** आकाशे मेघाः गर्जन्ति। **(घ)** रामः स्वभावेन परोपकारी अस्ति। **(ङ)** छात्राः परिश्रमेण नित्य पठेयुः। **(च)** सज्जनाः परोपकाराय भवन्ति।

3. संस्कृत में एक शब्द में उत्तर

(क) मेघाः मनुष्येभ्यः जलं यच्छन्ति। **(ख)** वृक्षाः परोपकाराय हेतोः फलन्ति। **(ग)** धेनुः

परोपकाराय दुग्धं यच्छति। **(घ)** छात्राः गुरोः समीपं पठितुं गच्छन्ति। **(ङ)** परोपकारिणः सज्जनाः श्रेष्ठः भवन्ति।

4. रिक्त स्थानों की पूर्ति–

(क) निर्धनेभ्यः **(ख)** जनेभ्य **(ग)** भवति **(घ)** दीनेभ्यः **(ङ)** गच्छति **(च)** भवन्ति

5. चतुर्थी विभक्ति के उचित रूपों से रिक्त स्थानों की पूर्ति–

	एकवचनम्	द्विवचनम्	बहुवचनम्
(क)	शुकाय	शुकाभ्याम्	शुकेभ्यः
(ख)	गजाय	गजाभ्याम्	गजेभ्यः
(ग)	रामाय	रामाभ्याम्	रामेभ्यः
(घ)	अश्वाय	अश्वाभ्याम्	अश्वेभ्यः
(ङ)	नराय	नराभ्याम्	नरेभ्यः

6. हिन्दी भाषा में अनुवाद–

(क) उपकार करने वाले लोग गरीबों को धन देते हैं। **(ख)** यह शरीर परोपकार के लिए बना है। **(ग)** नदियाँ परोपकार के लिए बहती हैं। **(घ)** वह भिखारियों के लिए भोजन देता है। **(ङ)** वे लोगों को जल देते हैं।

बहुविकल्पीय उत्तर–

7. (क) (c) **(ख)** (d) **(ग)** (a) **(घ)** (b)

तृतीयः पाठः

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में–

(क) भारतस्य ललाटे हिमाद्रिः। **(ख)** भारते अनेके प्रदेशाः अनेकानि भाषाः सन्ति। **(ग)** भारतस्य शुभ्रं यशः विदेशेषु गीतम् अस्ति। **(घ)** वयं भारतीयः स्वदेशं नमामः। **(ङ)** भारते अनेके वेषाः सन्ति। **(च)** वयं सदा परं धर्मं मानयामः।

2. संस्कृत कविता का हिन्दी भाषा में अनुवाद–

अनुवाद– हमारे इस प्रिय भारत में अनेक प्रदेश (राज्य) और अनेक वेश (वेशभूषा) हैं, अनेक रूप हैं और लोगों की अनेक भाषाएँ हैं, परन्तु फिर भी हम सभी एक रूप में भारतीय हैं। हमारा प्रिय भारत हमेशा रक्षा किए जाने योग्य हैं।

3. मंजूषा की सहायता से रिक्त स्थानों में पूर्ति–

(क) देवलोकेन **(ख)** अनेकाः **(ग)** सर्वथा **(घ)** स्वदेशम् **(ङ)** अर्पयामः **(च)** सदा

4. प्रत्यय–

(क) दर्शनीयम् **(ख)** पठितुम् **(ग)** खादितुम् **(घ)** वन्दनीयम् **(ङ)** लिखित्वा **(च)** गत्वा

5. निम्नलिखित वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद–

(क) वयं भारतस्य नागरिकाः सन्ति। **(ख)** इदमं भारतं देवलोकेन तुल्यम्। **(ग)** देशभक्ताः निर्भीकाः भवन्ति। **(घ)** भारतस्य सैनिकाः वीराः भवन्ति। **(ङ)** भारतीयः

शन्तिप्रियाः भवन्ति। **(च)** प्रियं भारतं सदा पूजनीयम्।

6. निम्नलिखित शब्दों से संस्कृत वाक्य रचना–

(क) <u>तत्</u> पुष्पम् अस्ति। **(ख)** <u>इदं</u> मम पुस्तक अस्ति। **(ग)** <u>यस्य</u> बुद्धिः अस्ति, तस्य बलम् अस्ति। **(घ)** <u>वयमं</u> पुस्तकं पठामः। **(ङ)** <u>मम</u> नाम रामः अस्ति।

7. बहुविकल्पीय उत्तर

(क) (a) **(ख)** (b) **(ग)** (c) **(घ)** (d)

चतुर्थः पाठः

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में–

(क) कार्तिकमासस्य पूर्णिमा तिथिः गुरुपर्वः भवति। **(ख)** एकस्मिन् पक्षे पञ्चदश दिवसाः भवन्ति। **(ग)** एकस्मिन् वर्षे द्विः नवरात्राः भवन्ति। **(घ)** यदा आकाशे पूर्णचन्द्रः भवति तदा पूर्णिमा तिथिः भवति। **(ङ)** एकस्मिन् वर्षे द्वादशः मासाः भवन्ति। **(च)** फाल्गुनमासस्य पूर्णिमसि होलिकादहनं भवति।

2. शब्दरूपों के विभक्तिः और वचनम्–

	पदम्	विभक्तिः	वचनम्
(क)	यस्मिन्	सप्तमी	एकवचनम्
(ख)	मासस्य	षष्ठी	एकवचनम्
(ग)	एतान्	द्वितीया	बहुवचनम्
(घ)	अस्माकम्	षष्ठी	बहुवचनम्
(ङ)	एकस्मिन्	सप्तमी	एकवचनम्
(च)	नानकस्य	षष्ठी	एकवचनम्

3. संस्कृत में सप्ताह के नाम–

(क) सोमवासरः **(ख)** भौमवासरः **(ग)** बुधवासरः **(घ)** गुरुवासरः **(ङ)** भृगुवासरः **(च)** शनिवासरः **(छ)** भानुवासरः।

4. रिक्त स्थानों की पूर्ति–

(क) नवरात्राः **(ख)** चतुर्विंशति **(ग)** गंगा **(घ)** पूर्णिमा **(ङ)** पञ्चदश **(च)** भौमवासरे

5. पदों का वर्ण-वियोजन–

(क) सप्ताह – स् + अ + प् + त् + आ + ह + अ **(ख)** दशहरा – द् + अ + श् + अ + ह् + अ + र् + आ **(ग)** छात्राः – छ् + आ + त् + र् + अः **(घ)** द्वादश – द् + अ + व् + आ + द् + अ + श् + अ **(ङ)** विद्यालयः – व् + इ + द् + य् + आ + ल् + अ + य् + अः **(च)** होरा – ह् + ओ + र् + आ **(छ)** पाठनवेला – प् + आ + ठ् + अ + न् + अ + व् + ए + ल् + आ

6. धातुरूपों की रिक्त स्थानों में पूर्ति

	लट्लकार	लृट्लकार	लङ्लकार
(क)	खेलसि	खेलिष्यसि	अखेलः

(ख) पठति	पठिष्यति	अपठः
(ग) इच्छामि	एबिष्यामि	ऐच्छम्
(घ) धावन्ति	धाविष्यन्ति	अधावन्
(ङ) खादथ	खादिष्यथ	अखादत
(च) पिबामः	पास्यामः	अपिबाम
(छ) चलतः	चलिष्यतः	अचलताम्
(ज) भवन्ति	भविष्यन्ति	अभवन्

7. **बहुविकल्पीय उत्तर**

(क) (d) **(ख)** (a) **(ग)** (b) **(घ)** (a)

पंचमः पाठः

1. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में लिखिए–**

(क) उदारचरितानां कृते सम्पूर्णा वसुधा कुटुम्बकम् अस्ति। **(ख)** पृथिव्याम् त्रीणि रत्नाः सन्ति। **(ग)** अयं निजः परो वेति लघुचेतसः गणयति। **(घ)** सर्वत्र शीलं धनम् अस्ति। **(ङ)** वेश, वपुषः, वाचा, विद्या विनयं च पञ्चवकाराः सन्ति। **(च)** विद्वान लोके पूज्यते।

2. **निम्नलिखित वाक्यों से रिक्त स्थानों की पूर्ति–**

(क) प्रियं च **नानृतम्** बुयादेषः। **(ख)** शीलं **सर्वत्र** वै धनम्। **(ग)** उदारचरितानां तु **वसुधैव** कुटुम्बकम्। **(घ)** मूढैः **पाषाणखण्डेषु** रत्न-सङ्ज्ञा प्रदीयते। **(ङ)** **विदेशेषु** धनं विद्या।

3. **श्लोकों का अर्थ हिन्दी भाषा में–**

अनुवाद– (क) सत्य कहो किन्तु सभी को प्रिय लगने वाला सत्य ही कहो, उस सत्य को मत कहो जो सर्वजन के लिए हानिप्रद है, (इसी प्रकार) से उस झूठ को भी मत कहो जो सर्वजन को प्रिय हो, यही सनातन धर्म है। **अनुवाद–(ख)** पृथ्वी पर तीन ही रत्न हैं, जल, अन्न और अच्छे वचन। फिर भी मूर्ख पत्थर के टुकड़ों को रत्न की संज्ञा देते हैं।

4. **विलोम पद का मिलान**

(क) चतुरः **(ख)** दुःखम् **(ग)** अनुदारः **(घ)** अधर्मः **(ङ)** निर्बलः **(च)** परः

5. **निम्नलिखित वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद–**

(क) दुर्वचनैः कलहः भवति। **(ख)** विद्या अभ्यासेन वर्धते। **(ग)** सत्यं मधुंर च वद। **(घ)** रामः सीता च आसने तिष्ठतः। **(ङ)** विद्या सर्वेषु धनेषु श्रेष्ठ अस्ति। **(च)** गुणा विनयेन शोभन्ते।

6. **बहुविकल्पीय प्रश्न**

(क) (b) **(ख)** (b) **(ग)** (c) **(घ)** (d)

षष्ठः पाठः

1. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में–**

(क) बालिका घटेन जलम् आनयति। **(ख)** चिरागः प्रकृत्या परोपकारी अस्ति।

(ग) शिक्षकः सुधाखण्डेन लिखति। **(घ)** चिरागः पादेन खञ्जः अस्ति। **(ङ)** चिरागः कलमेन उत्तराणि लिखति। **(च)** रोहनः मित्रेण सह गृहं प्रति आगच्छति। **(छ)** दिनेशः बसयानेन विद्यालयं गच्छति। **(ज)** चिरागः दण्डेन विद्यालयं गच्छति।

2. निम्न शब्दों की वाक्य रचना संस्कृत में–

(क) सीता घटेन जलं आनयति। **(ख)** सः नेत्रेण काणः अस्ति। **(ग)** अंशुमान् कलमेन लिखति। **(घ)** अहं **हस्तेन** जलं पिबामि। **(ङ)** अहं रेलयानेन वाराणसी गमिष्यामि। **(च)** बालकाः कन्दुकेन क्रीडन्ति।

3. तृतीया विभक्ति के उचित रूपों द्वारा रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

	एकवचनम्	**द्विवचनम्**	**बहुवचनम्**
(क)	अश्वेन	अश्वाभ्याम्	अश्वैः
(ख)	पुष्पेन	पुष्पाभ्याम्	पुष्पैः
(ग)	लतया	लताभ्याम्	लताभिः
(घ)	रामेण	रामाभ्याम्	रामैः
(ङ)	विद्यया	विद्याभ्याम्	विद्याभिः
(च)	कमलेन	कमलाभ्याम्	कमलैः

4. निम्नलिखित के संस्कृत शब्द बनाइए–

(क) दण्डेन **(ख)** कर्णेन **(ग)** नेत्राभ्याम् **(घ)** हस्ताभ्याम् **(ङ)** पुष्पेण **(च)** मुखेन

5. निम्नलिखित वाक्यों का हिन्दी में अनुवाद–

(क) घोड़ा मुँह से खाता है। **(ख)** हाथी सूँड से पानी पीता है। **(ग)** कन्या कन्याओं के साथ खेलती है। **(घ)** बालक गेंद से खेलते हैं। **(ङ)** हम सब मुख से खाते हैं। **(च)** तुम सब रथ से नगर जाते हो।

6. क्रियाओं का शुद्ध होना–

(क) अहं भोजनं पचामि। **(ख)** त्वं कुत्र पठसि? **(ग)** गजौ धावतः। **(घ)** सा किं धारयति। **(ङ)** धेनुः दुग्धं यच्छति।

7. बहुविकल्पीयः

(क) (b) **(ख)** (c) **(ग)** (a) **(घ)** (d)

सप्तमः पाठः

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में–

(क) होलिकोत्सवः फाल्गुनमासस्य पूर्णिमायां भवति। **(ख)** प्रह्लादः दैत्यराज हिरण्यकशिपोः पुत्रः आसीत्। **(ग)** हिरण्यकशिपोः भगिनी होलिका आसीत्। **(घ)** प्रथम दिवसे रात्रौ होलिकादहनं भवति। **(ङ)** द्वितीय दिवसे रंग-क्रीडा भवति। **(च)** होलिकोत्सवस्य दिवसे हर्षोल्लासस्य साम्राज्यं भवति।

2. निम्न वाक्यों से रिक्त स्थानों की पूर्ति–

(क) कोकिलाः **(ख)** कुसुमानि **(ग)** विष्णुः **(घ)** वसन्तस्य **(ङ)** अधर्मस्य **(च)** अङ्के

3. निम्नलिखित धातुरूपों के लकार, पुरूष और वचन–

	लकारः	पुरुषः	वचनम्
(क)	लट्लकार	प्रथम पुरुष	बहुवचनम्
(ख)	लट्लकार	प्रथम पुरुष	एकवचनम्
(ग)	लट्लकार	प्रथम पुरुष	बहुवचनम्
(घ)	लङ्लकार	प्रथम पुरुष	एकवचनम्
(ङ)	लट्लकार	प्रथम पुरुष	बहुवचनम्
(च)	लङ्लकार	प्रथम पुरुष	एकवचनम्

4. दिए गए कोष्ठक से शुद्ध वर्ण संयोजन

(क) उत्सवं **(ख)** होलिका **(ग)** एषः **(घ)** वनम् **(ङ)** ईश्वर **(च)** दैत्यराज **(छ)** कोकिला

5. होली पर पाँच वाक्य– संस्कृत में

(क) होलिकोत्सवः सर्वजनानां कृते प्रियः उत्सवः अस्ति। **(ख)** अयमुत्सवः भारतस्य प्रसिद्धः उत्सवः अस्ति। **(ग)** होलिका दहनमुदिश्य होलिकोत्सवः प्रारभत। **(घ)** अयमुत्सवः फाल्गुनमासस्य पूर्णिमायां मन्यते। **(ङ)** होलिकोत्सवे सर्वेजनाः नृत्यंति, गायन्ति परस्परं मिलन्ति च।

6. विलोम पद का मिलान

(क) दिनम् **(ख)** देवः **(ग)** एकः **(घ)** उष्णम् **(ङ)** अधर्मः **(च)** पापम्

7. बहुविकल्पीय उत्तर

(क) (d) **(ख)** (c) **(ग)** (c) **(घ)** (a)

अष्टमः पाठः

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में–

(क) वात्सल्यरसस्य जनकः सूरदासः अस्ति। **(ख)** सर्वेषु कविषु श्रेष्ठः कालिदासः अस्ति। **(ग)** अभिज्ञानशाकुन्तलनाटके सप्त अङ्का सन्ति। **(घ)** सूरदासः वृन्दावने अवसत्। **(ङ)** सूरदासः जन्म 'रुनकता' ग्रामे अभवत्। **(च)** नाटकेषु अभिज्ञानशाकुन्तलं रम्यं अस्ति। **(छ)** अस्माकं भारतस्य एकः सर्वश्रेष्ठः कविः तुलसीदासः आसीत्।

2. निम्नलिखित के संस्कृत शब्द–

(क) उद्यानेषु **(ख)** पाठशालायाम् **(ग)** वृक्षेषु **(घ)** खगोषु

3. निम्नलिखित वाक्यों का हिन्दी भाषा में अनुवाद–

(क) बन्दर वृक्षों पर रहते हैं। **(ख)** संघ में शक्ति होती है। **(ग)** मछलियाँ जल में तैरती है। **(घ)** छात्रा विद्यालय में पढ़ती है। **(ङ)** घर के पास बगीचा है। **(च)** घर पर माता भोजन पकाती है। **(छ)** राम इस गाँव में था।

4. **निम्नलिखित शब्दों की वाक्य-रचना संस्कृत में–**

(क) पुस्तकेषु गीता श्रेष्ठ अस्ति। **(ख)** वृषभयोः युद्धम् अभवत्। **(ग)** कविषु कालिदासः श्रेष्ठः अस्ति। **(घ)** गंगायाम् नौकाः तरन्ति। **(ङ)** खगाः गगने विचरन्ति। **(च)** नदीषु गङ्गा श्रेष्ठा अस्ति।

5. **निम्नलिखित वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद–**

(क) लतासु पुष्पाणि सन्ति। **(ख)** सिंहाः जगेषु निवसन्ति। **(ग)** मयूराः वर्षायाम् नृत्यन्ति। **(घ)** नीडेषु खगाः निवसन्ति। **(ङ)** वृक्षे पञ्चाशत् शुकाः सन्ति। **(च)** कूपेषु जलमं अस्ति।

6. **संस्कृत भाषा में पाँच लाइन 'कालिदास' पर–**

(क) कालिदासः मम प्रियः कविः अस्ति। **(ख)** कालिदासः कवीनां कुलगुरुः अस्ति। **(ग)** कालिदासस्य भाषा सरल सुमधुर च अस्ति। **(घ)** कालिदासः संस्कृतस्य कविः अस्ति। **(ङ)** कालिदासः संस्कृतभाषायां सप्त-ग्रन्थः लिखितवान।

7. **बहुविकल्पीय–**

(क) (b) **(ख)** (c) **(ग)** (b) **(घ)** (a)

नवमः पाठः

1. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में–**

(क) ग्रीष्मतौ पिपापसया काकः पीड़ितः अभवत्। **(ख)** वृक्षस्य अधः काकः जलकुम्भम् अपश्यत्। **(ग)** जलकुम्भम्ःविलोक्य काकः प्रसन्नो अभवत्। **(घ)** काकः कुम्भस्य समीपम् अगच्छत्। **(ङ)** जलकुम्भे स्वल्पमेव जलम् आसीत्। **(च)** काकः चंच्वायां पाषाणखण्डाः जलकुम्भे अपातयत्।

2. **निम्नलिखित वाक्यों में रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–**

(क) काकः, पिपासया **(ख)** जलं **(ग)** यथेच्छम् **(घ)** निराशः **(ङ)** पाषाणखण्डाः **(च)** फलमिदम्

3. **चित्र देखकर उनके संस्कृत में वाक्य–**

(क) एकः मयूरः अस्ति। **(ख)** द्वौ चटकौ स्तः। **(ग)** त्रयः शुकाः सन्ति। **(घ)** चत्वारः काकाः सन्ति। **(ङ)** द्वौ वर्तकौ स्तः। **(च)** एकः कुक्कटः अस्ति।

4. **निम्नलिखित वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद–**

(क) काकस्य वर्णः कृष्णः भवति। **(ख)** जलम् प्राप्तुम् काकः इतस्ततः अभ्रमत्। **(ग)** काकः अत्यंत निराशः अभवत्। **(घ)** ये उद्यमम् कुर्वन्ति, ते सफलाः भवन्ति। **(ङ)** एकः काकः पिपासया पीड़िताः आसीत्। **(च)** काकः यथेच्छम् जलं अपिबत्।

5. **निम्न धातुरूपों के लङ्लकार के धातुरूप–**

	एकवचनम्	**द्विवचनम्**	**बहुवचनम्**
प्रथम पुरुष	अपतत्	....	अपतन्
	अपश्यत्	अपश्यताम्	....

मध्यम पुरुष	अवदः	....	अवदत
	अगच्छतम्	....	अगच्छत
उत्तम पुरुष	अभवम्	अभवाव	....
	अलिखाव	....	अलिखाम

6. **निम्नलिखित शब्दों से संस्कृत वाक्य रचना–**

(क) काकः यथेच्छम् जलं अपिबत्। **(ख)** तस्मिन् वने सिंहः वसति। **(ग)** संसारे उद्यमम् कुर्वन्ति, ते सफलाः भवन्ति। **(घ)** नद्यः पर्वतेभ्यः अधः गच्छन्ति। **(ङ)** गुरुः शिष्यं अपश्यत्। **(च)** गजः शनैः शनैः चलति।

7. **बहुविकल्पीय–**

(क) (a) **(ख)** (c) **(ग)** (a) **(घ)** (d)

दशमः पाठः

1. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में–**

(क) लघुः परिवारः सम्पन्नः समृद्धः च भवति। **(ख)** पुष्पाणाम् उपरि भ्रमराः गुंजन्ति। **(ग)** विवेकस्य विद्यालय गृहस्य समीपे अस्ति। **(घ)** अद्य विवेकस्य जन्मदिवसः अस्ति। **(ङ)** सोमेश्वरः रमायाः अनुज अस्ति। **(च)** अस्माकं भारतदेशः अतिविशालः अस्ति।

2. **उचित शब्द से रिक्त स्थानों की पूर्ति–**

(क) शीतलः **(ख)** गुंजन्ति **(ग)** जनाः **(घ)** वृक्षेषु **(ङ)** भवन्ति **(च)** आगच्छन्ति

3. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक शब्द में–**

(क) रमायाः **(ख)** उत्तमा **(ग)** श्री रविशंकर **(घ)** रमायाः अम्बा **(ङ)** लघुः आदर्श च

4. **षष्ठी विभक्ति से रिक्त स्थानों की पूर्ति– (पुल्लिंग शब्द रूप)**

पदानि	एकवचनम्	द्विवचनम्	बहुवचनम्
(क) नरः	नरस्य	नरयोः	नराणाम्
(ख) काकः	काकस्य	काकयोः	काकानाम्
(ग) कृष्णः	कृष्णस्य	कृष्णयोः	कृष्णानाम्
(घ) अश्वः	अश्वस्य	अश्वयोः	अश्वानाम्
(ङ) रामः	रामस्य	रामयोः	रामानाम्

5. **वाक्यों का मिलान–**

(क) (e) **(ख)** (a) **(ग)** (f) **(घ)** (c) **(ङ)** (b) **(च)** (d)

6. **षष्ठी विभक्ति लगाकर रिक्त स्थानों की पूर्ति–**

(क) विद्यायाः **(ख)** लतायाः **(ग)** कृषकस्यः **(घ)** पुष्पस्य **(ङ)** पशोः **(च)** गंगायाः

7. **षष्ठी विभक्ति से रिक्त स्थानों की पूर्ति– (स्त्रीलिंग शब्द रूप)**

पदानि	एकवचनम्	द्विवचनम्	बहुवचनम्
(क) अम्बा	अम्बायाः	अम्बयोः	अम्बानाम्

(ख) कमला	कमलायाः	कमलयोः	कमलानाम्
(ग) रमा	रमायाः	रमयोः	रमाणाम्
(घ) वसुधा	वसुधायाः	वसुधयोः	वसुधानाम्
(ङ) लता	लतायाः	लतयोः	लताानाम्

8. बहुविकल्पीय

(क) (b) **(ख)** (d) **(ग)** (a) **(घ)** (b)

एकादशः पाठः

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में–

(क) विश्वकविना कवीन्द्रेण रवीन्द्रेष **(ख)** ति **(ग)** त्रयः **(घ)** मयूरः **(ङ)** कमलम् **(च)** व्याघ्रः

2. निम्नलिखित शब्दों को समानार्थक शब्द–

(क) राजीवः. पुष्करः **(ख)** पक्षी, विहगः **(ग)** सुमन, कुसुम **(घ)** वनराज, हरि **(ङ)** अनिलः. मारूतः

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक शब्द में–

(क) प्रतिदिनम् **(ख)** मयूरः **(ग)** व्याघ्रः **(घ)** पुष्पम् **(ङ)** त्रिपट्टिकाः **(च)** प्रसिद्धम्

4. संस्कृत में अनुवाद

(क) मयूरः नृत्यम् सौन्दर्यम् च प्रसिद्धम्।

(ख) राष्ट्रध्वजः त्रिवर्णकः भवति।

(ग) कमलम् पुष्पम् सुन्दरम्।

(घ) भारतस्य राष्ट्रियः पशुः व्याघ्रः अस्ति।

(ङ) बालकः सिंहेण शयं अस्ति।

5. वाक्यों मंजूषा सहायता से–

(क) (e) **(ख)** (a) **(ग)** (f) **(घ)** (c) **(ङ)** (b) **(च)** (d)

6. षष्ठी विभक्ति लगाकर रिक्त स्थानों की पूर्ति–

(1) एषा जन्तुशाला अस्ति। (2) अत्र पजरे सिंहः तिष्ठतः (3) गजौ वृक्षस्य समीपे तिष्ठतः (4) वृक्षस्य समीपे मयूराः नृत्यन्ति। (5) अत्र एकः भल्लुकः अपि अस्ति।

7. षष्ठी विभक्ति से रिक्त स्थानों की पूर्ति– (स्त्रीलिंग शब्द रूप)

पदानि	एकवचनम्	द्विवचनम्	बहुवचनम्
(क) अम्बा	अम्बायाः	अम्बयोः	अम्बानाम्
(ख) कमला	कमलायाः	कमलयोः	कमलानाम्
(ग) रमा	रमायाः	रमयोः	रमाणाम्

द्वादशः पाठः

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में–

(क) गाँधी जयन्ती अक्टूबर मासस्य द्वितीय दिवसे भवति। **(ख)** डॉ0 जाकिर हुसैनः

नूतनायाः प्राथमिक-शिक्षा पद्धते विशेषज्ञः आसीत्। **(ग)** डॉ0 अब्दुल कलामः एक प्रसिद्धः वैज्ञानिकः आसीत्। **(घ)** अस्माकं वर्तमान भारतस्य प्रधानमन्त्रिः श्री नरेन्द्रः दामोदरदास मोदीः अस्ति। **(ङ)** मोदीः महोदयस्य जन्म दिवसे सितम्बर मास्य सप्तदशे भवति। **(च)** श्री नरेन्द्रः महोदयः कुशल वक्ताः निपुणः प्रधानमन्त्रिः च अस्ति।

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति–

(क) मिसाइलमैन **(ख)** जनकः **(ग)** वक्ताः **(घ)** स्वजीवनम् **(ङ)** प्रधानमन्त्रि

3. वाक्यों का संस्कृत भाषा में अनुवाद–

(क) गाँधी जयन्ती द्वितीय अक्टूबर मासस्य भवति। **(ख)** अयं प्राथमिक-शिक्षा पद्धतेः विशेषज्ञः आसीत्। **(ग)** डॉ0 अब्दुलः कलामः महान् वैज्ञानिकः आसीत्। **(घ)** श्री नरेन्द्रः मोदीः महोदयः कुशलः वक्ताः अस्ति। **(ङ)** प्रथमः राष्ट्रपति डॉ0 राजेन्द्र प्रसादः आसीत्।

4. मिलान–

(क) पिता **(ख)** अपना जीवन **(ग)** विशेष जानकर **(घ)** बेईमानी **(ङ)** विशेषता **(च)** नई खोज

5. चित्र देखकर मंजूषा की सहायता से पाँच वाक्य–

(क) एतत् चित्रम् महात्मा गाँधीस्य अस्ति। **(ख)** महात्मा गाँधी एकः महापुरुषः आसीत्। **(ग)** सः सदा सत्यम् वदति स्म। **(घ)** सः आचार्याणां प्रियः आसीत्। **(ङ)** अयं महापुरुषः भारतस्य राष्ट्रपिता आसीत्।

संस्कृत-7

प्रथमः पाठः

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में–

(क) भारतभूमिं संसारे श्रेष्ठः अस्ति। **(ख)** मातागंगा नदीषु पावनी सन्ति। **(ग)** हंसवाहिनीं सर्वलोकेषु पूज्या अस्ति। **(घ)** अस्माकं पिता परमेश्वरः। **(ङ)** अस्माकं जननी वसुन्धरा। **(च)** वयं सर्वे तयोः पुत्राः स्मः।

2. निम्नलिखित श्लोक का हिन्दी भाषा में अनुवाद–

परमेश्वर (सर्वशक्तिमान) हमारे पिता है और माता हमारी वसन्धुरा (धरती) हम सभी उन दोनों के पुत्र है, हम सभी सदा उन दोनों को झुककर प्रणाम करते हैं।

3. निम्नलिखित शब्दों से संस्कृत वाक्य–

(क) देवः पुस्तकं पठति। **(ख)** गंगाया जलम् पवित्रम् अस्ति। **(ग)** भारत महान देशः अस्ति। **(घ)** अहम् प्रतिदिनं प्रातःकाले ईश्वरं नमामि। **(ङ)** वयम् सोनीपत – नगरे वसामः। **(च)** भाषासु संस्कृत भाषा अति प्राचीन अस्ति।

4. रिक्तस्थानों की पूर्ति–

(क) पूज्या–सर्वलोकेषु **(ख)** पावनी सर्वनिमग्नासु **(ग)** च या जननी सर्वभाषानाम् **(घ)**

पिताऽस्माकं जननी तु वसुन्धरा **(ङ)** तु या पावनी सर्वनिमग्नासु **(च)** पुत्राः नमामस्तौ नताः सदा

5. समानार्थक शब्द–

(क) वाणी, ब्राहमी, हंसवाहिनी। **(ख)** तातः, जनकः, जन्मदाता। **(ग)** सरिता, तटिनी, आपगा। **(घ)** विष्णुपदी, भागीरथी, मन्दाकिनी। **(ङ)** पवित्रम्, शुद्धम्, पूतम्। **(च)** महान्, उम्दा, अच्छा।

6. निम्नलिखित वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद–

(क) वयं सर्वे परमेश्वरः पुत्राः स्मः। **(ख)** सरस्वती विद्यायाः देवी अस्ति। **(ग)** प्रयागे गंगा नदी वहति। **(घ)** भारतीयाः संस्कृतिः सर्वश्रेष्ठः अस्ति। **(ङ)** वसुन्धरा रत्नगर्भा अस्ति। **(च)** हंसः देवी सरस्वत्याः वाहनम् अस्ति।

7. बहुविकल्पीय उत्तर–

(क) (c) **(ख)** (b) **(ग)** (c) **(घ)** (a)

द्वितीयः पाठः

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में–

(क) जलाशये सुरम्याः वर्त्तकाः तरन्ति। **(ख)** जनाः भ्रमणाय उपवने आगच्छन्ति। **(ग)** उद्यानस्य परिसरे एकः जलाशयः अस्ति। **(घ)** देवदत्तः परिवारेण सह वनभोजाय गच्छति। **(ङ)** विद्यालयेषु रविवासरस्य अवकाशः भवति। **(च)** देवदत्तः उपवने अगच्छत्।

2. मिलान–

(क) आसीत् **(ख)** सज्जा **(ग)** वर्तका **(घ)** अग्रज **(ङ)** रविवासरः **(च)** सह

3. रिक्त स्थान (उचित शब्दों द्वारा)–

(क) उपवनस्य **(ख)** गृहे **(ग)** अध्यापिकोस्य **(घ)** प्रतिभोजे **(ङ)** परिवारौ

4. एतद् उद्यानम् अस्ति। अत्र अनेकाः वृक्षाः सन्ति। वृक्षाः पर्णैः पुष्पैः च शोभन्ते। पक्वानि फलानि अपि वृक्षाणा भूषणानि। जनाः वृक्षाणां फलानि भक्ष्यन्ति। उपवने लताः अपि रोहन्ति। उपवन विविधानि वर्णानि पुष्पाणि अपि सन्ति। पुष्पेषु भ्रमराः गुञ्जन्ति मधुपानं च कुर्वन्ति। उद्याने बालकाः कन्दुकेन क्रीडन्ति प्रभाते सायंकाले च। जनाः उद्याने शान्तिम् अनुभवन्ति। अनेकाः जनाः अपि उद्याने भ्रमन्ति। उद्यानस्य मध्ये एकम् सरोवरम् अपि अस्ति।

5. मञ्जूषा की सहायता से रिक्त स्थानों की पूर्ति–

(क) परिवारेण **(ख)** मनोहराः **(ग)** परिवारयोः **(घ)** जनाः **(ङ)** परितः **(च)** गृहम्

6. निम्नलिखित वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद–

(क) ह्यः रविवासरः आसीत्। **(ख)** उपवनस्य परिसरे एकः जलाशयः अपि अस्ति। **(ग)** उपवने अनेके जनाः भ्रमणाय आगच्छन्ति। **(घ)** कमलानि सरोवरे विकसन्ति। **(ङ)** उपवनस्य वातावरणः अति सुन्दरः अस्ति। **(च)** उद्याने बहवः वृक्षाः सन्ति।

7. **प्रत्यय–**

(क) हसित्वा **(ख)** लिखित्वा **(ग)** चलत्वा **(घ)** गत्वा **(ङ)** खादित्वा **(च)** पठित्वा

तृतीयः पाठः

1. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में–**

(क) विद्याधनम् सर्वधनेषु प्रधानम्। **(ख)** विद्या विनयं ददाति। **(ग)** विद्याहीना न शोभन्ते। **(घ)** विद्या गुप्तधनं अस्ति। **(ङ)** मातेव विद्या रक्षति। **(च)** विद्या दिक्षु कीर्तिम् वितनोति।

2. **निम्नलिखित पूर्ण श्लोक–**

(क) विद्यां अविद्यस्य कुतो धनम्। **(ख)** अधनस्य कुतो मित्रममित्रस्य। **(ग)** समस्तानां चत्वार्येतानि भूतले। **(घ)** श्रेष्ठानि कन्यागोभूमिविद्या। **(ङ)** विद्यां ददाति विनयं विनयाद्। **(च)** धनमाप्नोति धनात् धर्मं

3. **श्लोक का हिन्दी भाषा में अनुवाद–**

अनुवाद– (क) विद्या से विनय (नम्रता) आती है, विनय से पात्रता (सज्जनता) आती है। पात्रता से धन की प्राप्ति होती है, धन से धर्म और से सुख की प्राप्ति होती है।

अनुवाद– (ख) यदि कोई व्यक्ति रूपवान है, जवान है, ऊँचे कुल में पैदा हुआ है, लेकिन यदि वह विद्याहीन है, तो वह सुंगधरहित केसुडे के फूल की तरह शोभा नहीं देता है।

4. **संस्कृत में विद्या पर 10 पंक्तियाँ–**

(क) विद्या भोगकरी अस्ति यशः सुखकारी भवति। **(ख)** विद्याविहीनः धनवानपि निर्धनः मन्यते। **(ग)** विद्यया मनुष्यः धनं आप्नोति। **(घ)** धनात् सर्वाणि सुखानि लभते। विद्या विनयं ददाति। **(ङ)** विद्या अधुना युगे अत्यावश्यकं अस्ति। **(च)** विद्या मनुष्याः सर्वश्रेष्ठाः भवन्ति। **(छ)** विद्या अज्ञानान्धकारं दूरी करोति। **(झ)** मानव जीवने विद्या श्रेष्ठा सर्वप्रधाना अस्ति। **(ज)** विद्या विहीनः नरः पशुभिः समानः। **(ञ)** सर्वद्रव्येषु विद्या सर्वश्रेष्ठं धनं अस्ति।

5. **निम्नलिखित वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद–**

(क) विद्याविहीनः नरः पशुभिः समानः भवति। **(ख)** गुरुणां गुरुः विद्या भवति। **(ग)** विद्वेशेषु विद्यां मित्रं भवति। **(घ)** विद्या सर्वधनं प्रधानम्। विद्याविहीनस्य विना पुरुषस्य जीवनं व्यर्थमास्ति।

6. **रेखांकित शब्दों का प्रश्न निर्माण–**

(क) <u>का</u> **(ख)** <u>कः</u> **(ग)** <u>कः</u> **(घ)** <u>कथं</u> **(ङ)** <u>कुत्र</u> **(च)** <u>कः</u>

7. **बहुविकल्पीय उत्तर–**

(क) (c) **(ख)** (c) **(ग)** (b) **(घ)** (d)

चुतर्थः पाठः

1. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में–**

(क) अस्माकं प्रिय देशः भारतदेशः अस्ति। **(ख)** भारतः 1947 वर्षे स्वतन्त्रम् अभवत्।

(ग) भारतस्य उत्तर दिशायां पर्वतराज हिमालयः विद्यते। **(घ)** भारतस्य प्राचीन नाम आर्यावर्त्तः आसीत्। **(ङ)** दुष्यन्तस्य पुत्रः महान वीरः आसीत्। **(च)** भरतः नामोपरि देशस्य नाम भारतः जातम्। **(छ)** भारतदेशः अस्माकं मातृभूमि अस्ति।

2. संस्कृत में वाक्य प्रयोग रचना–

(क) कृषिप्रधानः <u>अस्माकं</u> भारतदेशः। **(ख)** भारत देशस्य जनानां वेशभूषा विविधाः सन्ति। **(ग)** एकः आदर्शः राजा <u>अभवत्</u>। **(घ)** <u>हिमालयः</u> भारतदेशस्य समृद्धि अस्ति। **(ङ)** वयं <u>भारतस्य</u> नागरिकाः स्म। **(च)** मातुः <u>भोजनं</u> पचति।

3. उचित पदों से रिक्तस्थानों की पूर्ति–

(क) <u>विविधता</u> **(ख)** <u>1947, स्वतन्त्रम्</u> **(ग)** <u>रक्षयन्</u> **(घ)** <u>बैसाखी, होली, रक्षा-बन्धनम्</u> **(ङ)** <u>नदीनाम्</u> **(च)** <u>शासनं</u>

4. संधि-विच्छेदं–

(क) हिम + आलयः **(ख)** इति + आदिः **(ग)** महत् + त्व **(घ)** भो + अति **(ङ)** देव + आलयः **(च)** नर + इन्द्रः

5. निम्न वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद–

(क) अस्माकं देशः भारतदेशः अस्ति। **(ख)** भारतीया संस्कृतिः विविधधर्माणां सङ्गमस्थली। **(ग)** भारतदेशः अस्माकं प्राणैः अपि प्रियः। **(घ)** मातृभूमीनां रक्षयन् अस्माकं कर्त्तव्यम्। **(ङ)** वयम् भारतस्य नागरिकाः सन्ति। **(च)** हिमालयः भारतदेशस्य समृद्धि अस्ति।

6. विभक्ति और वचन–

(क) सम्बोधन	बहुवचनम्
(ख) तृतीया	एकवचनम्
(ग) षष्ठी	एकवचनम्
(घ) षष्ठी	एकवचनम्
(ङ) षष्ठी	अस्माकम्
(च) षष्ठी	नदीनाम्

7. बहुविकल्पीय उत्तर

(क) (c) **(ख)** (b) **(ग)** (d) **(घ)** (a)

पंचम पाठः

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में–

(क) क्रीडकाः क्रीडायाःक्षेत्रम् क्रीडन्ति। **(ख)** क्रीडायाः प्रथमक्षेत्रे कबड्डी भवति।

(ग) एकस्मिन् दले नव क्रीडकाः भवन्ति। **(घ)** क्रीडकाः उत्साहेन क्रीडन्ति। **(ङ)** 'खो-खो' एतस्यं क्रीडायाम् नव क्रीडकाः भवन्ति। **(च)** तृतीये क्षेत्रे बालाः चरणकन्दुकेन क्रीडन्ति।

2. रिक्त स्थान–

(क) <u>नव</u> **(ख)** <u>क्रीडाः</u> **(ग)** <u>तृतीये</u> **(घ)** <u>भवन्ति</u> **(ङ)** <u>शब्दिका</u> (च) <u>कबड्डी</u>

3. संस्कृत में वाक्य प्रयोग–

(क) <u>क्रीडकाः</u> कन्दुकेन क्रीडन्ति। **(ख)** सप्ताहे <u>सप्त</u> दिनानि भवन्ति। **(ग)** राधास्य <u>हस्ते</u> शुकः अस्ति। **(घ)** <u>इदं</u> क्रीडायाः क्षेत्रम् अस्ति। **(ङ)** वयं सर्वे विद्यालयं गमिष्यामः। **(च)** <u>छात्राः</u> क्रीडाक्षेत्रे क्रीडन्ति।

4. रेखांकित शब्दों के बहुवचन–

(क) <u>बालाः</u> चरणकन्दुकेन क्रीडन्ति। **(ख)** <u>क्रीडकाः</u> क्रीडाक्षेत्रे क्रीडन्ति। **(ग)** <u>बालकाः</u> क्रीडाक्षेत्रे क्रीडन्ति। **(घ)** <u>क्रीडकाः</u> उत्साहेन क्रीडन्ति। **(ङ)** <u>बालकाः</u> कलमेन लिखन्ति।

5. उचितरूप से रिक्त स्थानों की पूर्ति–

(क) वयम् **(ख)** विद्यालस्य **(ग)** क्रीडतः **(घ)** तस्य **(ङ)** एतस्यां।

6. लकार, पुरुष, वचनम्–

(क) लट्	प्रथम पुरुषः	एकवचनम्
(ख) लट्	प्रथम पुरुषः	बहुवचनम्
(ग) लट्	प्रथम पुरुषः	बहुवचनम्
(घ) लट्	प्रथम पुरुषः	एकवचनम्
(ङ) लङ्	प्रथम पुरुषः	एकवचनम्

7. बहुविकल्पीय उत्तर

(क) (b) **(ख)** (c) **(ग)** (c) **(घ)** (a)

षष्ठः पाठः

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में–

(क) षोडशे वर्षे पुत्रं मित्रमिवाचरेत्। **(ख)** सर्वनाशे समुत्पन्ने अर्द्धं त्यजति पण्डितः। **(ग)** नृणां सम्भवे मातापितरौ क्लेशं सहेते। **(घ)** दुःखं परवशम् भवति। **(ङ)** पाठेऽस्मिन् सुखदुःखयोः लक्षणमस्ति - परवशं सर्वं दुःखम् आत्मवशं च सर्वं सुखम्। **(च)** अभिवादनशीलस्य आयुः विद्यां यशः बलञ्च एतानि चत्वारि वर्धन्ते।

2. उचित शब्दों द्वारा रिक्त स्थानों की पूर्ति–

(क) <u>अर्द्धेन</u> **(ख)** <u>सुवृक्षेण</u> **(ग)** <u>वृद्धोपसेविनः</u> **(घ)** सर्वत्रवैधनम् **(ङ)** <u>षोडशे</u> **(च)** <u>सर्वनाशे</u>

3. श्लोक का हिन्दी अनुवाद–

अनुवाद– (क) जो व्यक्ति सुशील और विनम्र होते हैं। बड़ों का अभिवादन व सम्मान करने वाले होते हैं, तथा अपने बुजुर्गों की सेवा करने वाले होते हैं। उनकी आयु, विद्या, कीर्ति और बल ये चारों में सदैव वृद्धि होती है।

अनुवाद– (ख) मनुष्य के जन्म के बाद, माता-पिता उसके लिए जो क्लेश सहन करते हैं,

उसका बदला सौ साल बाद चुकाना भी शक्य नहीं।

4. **'आम्' और 'न'–**

(क) न **(ख)** आम् **(ग)** न **(घ)** आम् **(ङ)** आम् **(च)** आम्

5. **संधि – विच्छेद–**

(क) वृद्धः + उपसेविनः **(ख)** यशः + बलम् **(ग)** आयुः + विद्या **(घ)** वर्षशतैः + अपि **(ङ)** तयोः + नित्यम्

6. **विलोमशब्द–**

(क) पिता **(ख)** मूर्खः **(ग)** अवगुण **(घ)** दुर्गन्धः

7. **बहुविकल्पीय उत्तर**

(क) (a) **(ख)** (d) **(ग)** (b) **(घ)** (a)

सप्तमः पाठः

1. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में–**

(क) शुद्धोधनस्य पुत्र सिद्धार्थः आसीत्। **(ख)** कपिलवस्तु नगर्यां शुद्धोधनः राजा आसीत्। **(ग)** सिद्धार्थः बालयाद् एव दयालुः परोपकारी आसीत्। **(घ)** शरेण एकः हंस विद्ध। **(ङ)** शरविद्धः हंसः सिद्धार्थस्याङ्के अपतत्। **(च)** न्यायाधीशः अवदत् – ''रक्षकः भक्षकात् ज्यायान् भवति''।

2. **संस्कृत में वाक्य प्रयोग–**

(क) सिद्धार्थः बाल्याद् <u>दयालुः</u> आसीत्। **(ख)** <u>हंस</u>स्य वर्ण श्वेत भवति। **(ग)** हंसः <u>शीघ्रम</u> उत्पत्य सिद्धार्थस्य अङ्के उपविशत्। **(घ)** चित्तौड़स्य नृपः उदयसिंहः <u>परोपकारी</u> आसीत्। **(ङ)** <u>स्वतन्त्रायाः</u> आन्दोलने महात्मा गांधीः भूमिका महनीया आसीत्।

3. **रिक्त स्थानों की पूर्ति–**

(क) सिद्धार्थः **(ख)** स्निह्यति **(ग)** शरविद्धः हंसः **(घ)** न्यायालयं **(ङ)** प्रयच्छति **(च)** गौतम् बुद्धः

4. **भूतकाल के रूप**

	एकवचनम्	द्विवचनम्	बहुवचनम्	पुरुष
(क)	अभवत्	अभवताम्	अभवन्	प्रथमा
(ख)	अवदत्	अवदताम्	अवदन्	प्रथमा
(ग)	अनमत्	अनमताम्	अनमन्	प्रथमा
(घ)	अगच्छत्	अगच्छताम्	अगच्छन्	प्रथमा
(ङ)	अपतत्	अपतताम्	अपतन्	प्रथमा
(च)	आसीत्	आस्ताम्	आसन्	प्रथमा

5. **संधि – विच्छेद**

(क) अङ्क + एकः **(ख)** पुत्रः + अजायत् **(ग)** चारूः + अभवत् **(घ)** स्वः + परन्त्रन्त **(ङ)** भ्रमणाय + उपवनम्

6. **'आम्' या 'न'**

(क) आम् **(ख)** न **(ग)** न **(घ)** आम् **(ङ)** न

7. **बहुविकल्पीय प्रश्न**

(क) (a) **(ख)** (a) **(ग)** (b) **(घ)** (d)

अष्टमः पाठः

1. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में–**

(क) अस्माकं ध्वजस्य श्वेतवर्णः सात्विकतायाः शुचितायाः च सूचकः अस्ति। **(ख)** अशोकस्तम्भः सारनाथे अस्ति। **(ग)** त्रिवर्णध्वजस्य उत्तालन स्वतंत्रतादिवसे गणतंत्रतादिवसे च भवति। **(घ)** अशोकचक्रे चतुर्विंशतिः अराः सन्ति। **(ङ)** अशोकचक्रं प्रगतेः न्यायस्य च द्योतकम् अस्ति। **(च)** त्रिवर्णे ध्वजे शक्त्याः सूचकः केशरः वर्णः।

2. **विभक्तिः और वचनम्–**

(क)	षष्ठी	एकवचनम्
(ख)	षष्ठी	बहुवचनम्
(ग)	षष्ठी	एकवचनम्
(घ)	तृतीया	बहुवचनम्
(ङ)	षष्ठी	बहुवचनम्
(च)	षष्ठी	बहुवचनम्
(छ)	षष्ठी	बहुवचनम्

3. **'आम्' या 'न'**

(क) आम् **(ख)** न **(ग)** आम् **(घ)** न **(ङ)** आम् **(च)** आम्

4. **रेखांकित शब्दों को आधार मानकर प्रश्न निर्माण–**

(क) कः **(ख)** किम् **(ग)** कैः **(घ)** कस्य **(ङ)** कानि

5. **मिलान–**

(क) शौर्यस्य त्यागस्य च सूचकः। **(ख)** सुषमायाः उर्वरतायाः च सूचकः। **(ग)** प्रगतेः न्यायस्य च परवर्तकम्। **(घ)** स्वाधीनतायाः राष्ट्रगौरवस्य च प्रतीकः। **(ङ)** 22 जुलाई 1947 तमे वर्षे जातम्।

6. **'राष्ट्र ध्वज' पर संस्कृत निबन्ध–**

भारतस्य राष्ट्रध्वजः संस्कृत निबंध

राष्ट्रियः ध्वजः राष्ट्रस्य संकेतः। अस्माकं राष्ट्रियध्वजे त्रयः रंगाः सन्ति। इयं त्रिरंगी

भारतवर्षस्य परिचयं धारयति। अयं ध्वजः अतीव मनोरमः। अस्य ध्वजस्य उर्ध्वदेशे केसररंगः, मध्ये धवलः रंगः, अधोदेशे हरितः रंगः च विन्यस्ताः। धवलांशस्य मध्ये अशोकचक्रं वर्तते। अशोकचक्रे अराणां चतुर्विंशतिः अस्ति। तत्र केसररंगः वीरत्वस्य त्यागस्य च, धवल रंगः पवित्रतायाः शान्तेः च, हरितरंगः, उन्नतेः समृद्धेः च, अशोकचक्रं सत्यस्य तथा प्रगतेः च प्रतीकं। प्रमुखराष्ट्रियमहोत्सवयोः सर्वे स्वस्थाने राष्ट्रियध्वजं उड्डयितुं शक्नुवन्ति। स्वाधीनता दिवसः, गणतंत्र दिवसः, गान्धिजयन्ती च त्रयः प्रधानाः राष्ट्रोत्सवः। अयं ध्वजः देशस्य सार्वभौमतायाः प्रतीकम्।

7. बहुविकल्पीय उत्तर–

(क) (a) **(ख)** (c) **(ग)** (d) **(घ)** (b)

नवमः पाठः

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में–

(क) पुराणः पुरुषः श्रीकृष्णः। **(ख)** आत्माः न म्रियते। **(ग)** अस्माकं कर्मणि अधिकारः अस्ति। **(घ)** शस्त्राणि आत्मानं न छिन्दन्ति। **(ङ)** परमात्मा आत्मानं अभ्युत्थानमधर्मस्य सृजति। **(च)** जीर्णानि शरीराणि विहाय आत्मा संयाति।

2. श्लोक का हिन्दी भाषा में अनुवाद–

अनुवाद– श्री कृष्ण कहते हैं कि हे अर्जुन, साधु और संत पुरुषों की रक्षा के लिये, दुष्कर्मियों के विनाश के लिये और धर्म की स्थापना हेतु मैं युगों युगों से धरती पर जन्म लेता आया हूँ।

अनुवाद– श्री कृष्ण कहते हैं कि हे अर्जुन, कर्म करना तुम्हारा अधिकार है, परन्तु फल की इच्छा करना तुम्हारा अधिकार नहीं है। कर्म करो और फल की इच्छा मत करो अर्थात् फल की इच्छा किये बिना कर्म करो क्योंकि फल देना मेरा काम है।

3. श्लोकानुसार रिक्त स्थानों की पूर्ति–

(क) भूत्वा भविता वा न भूयः।

अजो नित्य शाश वतोऽयं पुराणो

(ख) देहिनोऽस्मिन् यथा देहे

धीरस्तत्र न मुहयति।।

(ग) गलनिर्भवति भारत।

अभ्युत्थानमधर्मस्य

(घ) सुख-दुःखे समे कृत्वा

नैंव पापमवाप्स्यसि।।

(ङ) संमोहात्स्मृतिविभ्रमः।

स्मृतिभ्रशाद्बुद्धिनाशो

4. संधि और संधि – विच्छेद

(क) देहिनोऽस्मिन् **(ख)** पौ + अकः **(ग)** सृजाम्यहम् **(घ)** नौ + अम् **(ङ)** कर्माणि + एव **(च)** ग्लानिर्भवति

5. शब्द, विभक्ति, वचन–

	शब्दः	विभक्तिः	वचनम्
(क)	साधु	षष्ठी	बहुवचनम्
(ख)	आत्मन्	द्वितीया	एकवचनम्
(ग)	धर्मम्	षष्ठी	एकवचनम्
(घ)	फलम्	सप्तमी	बहुवचनम्
(ङ)	नव	प्रथमा/द्वितीया	बहुवचनम्
(च)	शरीरम्	प्रथमा/द्वितीया	बहुवचनम्

6. विलोम शब्द–

(क) दुःख **(ख)** म्रियते **(ग)** वृद्धयवनं **(घ)** प्राचीन **(ङ)** चैनं **(च)** अर्धम

7. बहुविकल्पीय उत्तर–

(क) (c) **(ख)** (b) **(ग)** (b) **(घ)** (d)

दशमः पाठः

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में–

(क) जनाः आकाशवाण्याः देशस्य विदेशस्य च विविधं समाचारं श्रृण्वन्ति। **(ख)** अत्याधुनिकं सम्पर्कसाधनं दूरवीक्ष्यम् अस्ति। **(ग)** दूरभाषेण वयं जनाः परस्परम् वार्तालापं कुर्मः। **(घ)** फ्रीजयंत्रे अस्तु शीतलम् भवन्ति चिरम् च सुरक्षितं तिष्ठन्ति। **(ङ)** वायुयानं द्रुतगत्या आकाशे मार्गेण गच्छति। **(च)** विज्ञानेन निर्मितानि यन्त्राणि गृहे गृहे सन्ति।

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति (उचित शब्दों से)–

(क) दूरवीक्ष्येणः **(ख)** आकाशवाणी **(ग)** आकाशे **(घ)** आशुरेव **(ङ)** अद्य आवागमनार्थम् **(च)** जलपोताः

3. लिंग, वचन, विभक्ति–

	विभक्तिः	लिङ्गः	वचनम्
(क)	तृतीया	नपुंसकलिङ्ग	एकवचनम्
(ख)	सप्तमी	पुंल्लिङ्ग	एकवचनम्
(ग)	सप्तमी	नपुंसकलिङ्ग	बहुवचनम्
(घ)	प्रथमा/द्वितीया	नपुंसकलिङ्ग	बहुवचनम्
(ङ)	प्रथमा/द्वितीया	नपुंसकलिङ्ग	बहुवचनम्

(च) तृतीया् नपुंसकलिङ्ग एकवचनम्

4. **शुद्ध क्रियापद–**

(क) वयम् अल्पदूरं गन्तुम् इच्छामः। **(ख)** वयम् द्विचक्रिकया गच्छामः। **(ग)** एतत् दूरदर्शनं अस्ति। **(घ)** विदेशेषु गमनाय जलपोताः अपि उपयोगी भवन्ति। **(ङ)** इदं यंत्रम् अतिलोकप्रियः अस्ति। **(च)** कम्प्यूटरम् एकम् अद्भुतं यन्त्रम् अस्ति।

5. **विशेषण मिलान–**

(क) दृश्यश्रत्ययन्त्रम् **(ख)** संवादयन्त्रम् **(ग)** त्वरितकार्ययन्त्रम् **(घ)** आकाशगमिवाहनम् **(ङ)** श्रव्ययन्त्रम् **(च)** प्रतिच्छाया

6. **निम्नलिखित वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद–**

(क) आधुनिकं युगं विज्ञानस्य युगं अस्ति। **(ख)** अद्यः गृहे गृहे फ्रीजयंत्रस्य उपयोगः भवति। **(ग)** अधुना दूरभाषयंतस्य उपयोगः अतिलोकप्रियःअस्ति। **(घ)** वायुयानं (ऐतत्) द्रुतगत्या गगने उड्डेयते। **(ङ)** संगणकयंत्रम् आशुरेव गणनाकार्यं करोति।

7. **निम्नलिखित शब्दों के उपसर्ग और शेष पद–**

	उपसर्ग	**शेषपद**
(क)	वि	देशम्
(ख)	प्रति	छाया
(ग)	उप	योगी
(घ)	उप	करोति
(ङ)	वि	ज्ञानम्

एकादशः पाठः

1. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में–**

(क) दुर्गा पूजा शरदकाले आश्विनमासे भवति। **(ख)** देव्याः प्रसादेन श्रीरामः रावणस्य समूलं विनाशं कृतवान्। **(ग)** प्रतिमाः जले विसर्जिताः भवन्ति। **(घ)** देवी दुर्गा महिषासुर नामकं राक्षसं हतवती। **(ङ)** देवी प्रतिमा उत्तमरीत्या सज्जितानि भवन्ति। **(च)** इयं दुर्गापूजा विजयस्य प्रतीकं अस्ति।

2. **रिक्त स्थानों की पूर्ति–**

(क) महोत्सवः **(ख)** अनेकाः **(ग)** लंकायाः **(घ)** रामलीलायाः **(ङ)** वस्त्राणि **(च)** आदिशक्तिः

3. **विशेषण को विशेष्य से मिलान–**

(क) तिथौ **(ख)** कार्यक्रमाः **(ग)** प्रतिमा **(घ)** दुर्गा **(ङ)** कथा

4. **दुर्गा माता पर आठ वाक्य–**

(क) माँ दुर्गा मम कुलदेविः अस्ति। **(ख)** माँ दुर्गा ईश्वरस्य आदिशक्ति रूपः अस्ति। **(ग)**

या दश भुजा धरिणी अस्ति। **(घ)** देवी दुर्गा शूल धारिणी अस्ति। **(ङ)** या महिषासुर मर्दिनी अपि अस्ति। **(च)** जनाः दुर्गायाः स्तवान् पठन्ति हवनं च कुर्वन्ति। **(छ)** दुर्गा पूजायां जनाः नूतनानि वस्त्राणि धारयन्ति। **(झ)** आश्विन शुक्लपक्षे प्रतिवर्ष दुर्गा पूजयन्ति।

5. संस्कृत में वाक्य प्रयोग–

(क) धर्मस्य जयं भवति। **(ख)** सा सीतां पूजति। **(ग)** दुर्गा एकं पुष्पं अजिघ्रत्। **(घ)** अधर्मस्य पराजयं भवति। **(ङ)** बालकाः विद्यालयं गच्छन्ति। **(च)** दुर्गापूजा हिन्दूनां महोत्सवः अस्ति।

6. निम्नलिखित वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद–

(क) भारतः उत्सवानां देशः अस्ति। **(ख)** पूजायाः अंते दिवसे सिद्धिदात्री पूजा भवति। **(ग)** जनाः दुर्गास्तुतिं कुर्वन्ति। **(घ)** देवी दुर्गा विजयस्य प्रतीका अस्ति। **(ङ)** पूजायाः अन्तिमः दिवसे विजयदशमी भवति। **(च)** दुर्गापूजायाः विषये अनेकाः कथाः प्रचलिताः सन्ति।

7. बहुविकल्पीय उत्तर–

(क) (c) **(ख)** (d) **(ग)** (a) **(घ)** (b)

द्वादशः पाठः

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में–

(क) जलाशये स्थितो द्वौ मीनौ शतबुद्धि सहस्रबुद्धिः नाम स्तः। **(ख)** मण्डूकस्य एकबुद्धिः नाम आसीत्। **(ग)** सूर्यास्तसमये जलाशये धीवराः आगच्छन्ति स्म। **(घ)** मण्डूकः रात्रौ एव अन्य जलाशयं गतः। **(ङ)** शतबुद्धिः सहस्रबुद्धिश्च एकबुद्धेः पतितौ धृतौ च। **(च)** त्रिषु मित्रेषु एक बुद्धिस्य बुद्धिः सर्वोत्तमाः।

2. निम्न शब्दों से संस्कृत भाषा में वाक्य प्रयोग–

(क) इदानीं शतबुद्धि धीवरस्य मस्तके वर्तते। **(ख)** बुद्धिबलेन कार्याणि सिद्धयन्ति ते। **(ग)** सूर्यास्तसमये खगाः प्रत्यागच्छन्ति। **(घ)** सा विहस्य अवदत्। **(ङ)** ते पलायनम् कुर्वन्ति। **(च)** इदानीं वार्तालापस्य वेला नास्ति।

3. संधि – विच्छेद

(क) त्रयापि **(ख)** तदाहम् **(ग)** विचारमकुर्वन् **(घ)** त्वामपि **(ङ)** मण्ड्कोऽवदत् **(च)** अतोऽहम्

4. निम्नलिखित शब्दों के संधि – विच्छेद

(क) सहस्रबुद्धिः + च **(ख)** एकबुद्धिः + नाम **(ग)** धीवर + उक्तम् **(घ)** सु + अल्पम् **(ङ)** अतः + अहम् **(च)** शतबुद्धिः + अकथयत्

5. निम्नलिखित वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद–

(क) अत्र अस्माकं जन्मस्थानम् अस्ति। **(ख)** मण्ड्कः अन्य जलाशयं गतः। **(ग)** तौ

मत्स्यौ जाले आवद्धौ। **(घ)** त्वं अत्र कथं निवससि? **(ङ)** मम बुद्धिः पलायनं इच्छति। **(च)** धीवराः अपि प्राप्तः आगतः।

6. **चित्र के आधार पर पाँच वाक्यों की रचना–**

(क) एतत् चित्रम् तडागस्य अस्ति। **(ख)** तडागे मीनाः, वर्तकाः च तरन्ति। **(ग)** एकंः कच्छपः अपि अत्र अस्ति। **(घ)** तडागे कमलानि विकसन्ति। **(ङ)** एकः वकः मीनम् खादति।

7. **बहुविकल्पीय उत्तर–**

(क) (b) **(ख)** (a) **(ग)** (c) **(घ)** (d)

त्रयोदशः पाठः

1. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में–**

(क) यस्य नास्ति स्वयं प्रज्ञा तस्य शास्त्रः किमपि न करोति। **(ख)** प्रिय वाक्य प्रदानेन सर्वें तुष्यन्ति। **(ग)** कोकिलानां स्वरः रूपमस्ति। **(घ)** पशूनां कुक्करः चाण्डाल अस्ति। **(ङ)** सर्वेषां चाण्डालः निन्दकः। **(च)** शूद्राणां परिचर्यकं बलमस्ति।

2. **उचित शब्दों द्वारा रिक्त स्थानों की पूर्ति–**

(क)	जलबिन्दुनिपातेन धर्मस्य	**(ख)**	सर्वस्य कालेन
(ग)	प्रज्ञा, तस्य विहीनस्य	**(घ)**	कर्तव्यो, चिन्तयेत् कालेन
(ङ)	विप्राणां शूद्राणां		

3. **प्रार्थनाश्लोक का हिन्दी भाषा में अनुवाद–**

(क) अनुवाद– परिश्रम करने से ही सारे कार्य हो सकते है केवल सोचने से नहीं। सोते हुए शेर के मुँह में अपने आप ही हिरण प्रवेश नहीं करते। अर्थात शेर के मुँह में अपने आप ही शिकार नहीं आता उसे शिकार करने के लिए मेहनत करनी पड़ती है।

(ख) अनुवाद– बीती बात पर दुःख नहीं करना चाहिए। भविष्य के विषय में भी नहीं सोचना चाहिए। बुद्धिमान लोग वर्तमान समय के अनुसार ही चलते हैं।

4. **निर्देश के अनुसार शब्द रूप–**

(क) वैश्ययोः **(ख)** दुर्जनात् **(ग)** मुनीनाम् **(घ)** कुक्कुराणाम् **(ङ)** कुरूपान् **(च)** विप्रेण

5. **षष्ठी विभक्ति द्वारा रिक्त स्थानों की पूर्ति–**

(क) विप्राणां **(ख)** स्त्रीणां **(ग)** विहीनस्य **(घ)** वित्तस्य **(ङ)** कोकिलानां

6. **उपसर्गयुक्त शब्द–**

(क) प्रयोगः , प्रदेशः। **(ख)** विनयः , विदेशः। **(ग)** सुगन्धः , सुमन। **(घ)** निडरः ,

निवारणः। **(ङ)** परिणामः , परिचयः। **(च)** दुराचारः , दुरावस्था।

7. संस्कृत – हिन्दी वाक्यों का मिलान

(क) (iv) **(ख)** (v) **(ग)** (iii) **(घ)** (vi) **(ङ)** (ii) **(च)** (i)

8. क्रियाशब्द शुद्ध–

(क) सीता रामं विना वनं न गच्छति। **(ख)** नृपः विप्राय धनं ददाति। **(ग)** नमः शिवाय। **(घ)** पुष्पाणाम् गन्धः मधुरं भवति। **(ङ)** बुद्धिहीनाः नराः विनश्यन्ति। **(च)** विपुलः विद्यालये पठति। **(छ)** दीनं प्रति दयां कुरु। **(झ)** वृक्षाः अस्मभ्यं स्वच्छ वायुं यच्छन्ति।

चतुर्दशः पाठः

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में–

(क) 'उत्सवप्रियाः भवन्ति मानवाः' इति कालिदाससेन कथितम्। **(ख)** दीपमालिकोत्सवः पर्वः पञ्चदिवसात्मकः भवति। **(ग)** दीपमालिकोवसरे आपणानां शोभा दर्शनीया। दीपमालिकावसरे जनाः विविधं वस्तुजातं क्रीणन्ति। **(घ)** रावणं निपात्य रामचन्द्रः अयोध्यापुरीं प्रत्यागच्छत्। **(ङ)** सुरासुरैः कार्तिकमासे अमावस्यां दिवसे भगवती महालक्ष्मीं सागरम् ध्यान् निःसरन्ती समालोकिता। **(च)** 'सर्वे भद्राणि पश्यन्तु' इति दीपमालिकायाः संदेशः।

2. विभक्ति और वचन–

	विभक्तिः	वचनम्
(क)	वायुभ्याम्	द्विवचनम्
(ख)	मोमवर्तिकाभ्याम्	द्विवचनम्
(ग)	विषाणि	बहुवचनम्
(घ)	चित्रेषु	बहुवचनम्
(ङ)	मिष्ठान्नानाम्	बहुवचनम्
(च)	श्रेष्ठेषु	बहुवचनम्

3. उचित शब्दों द्वारा रिक्त स्थानों की पूर्ति–

(क) संस्कृत **(ख)** अयोध्यावासिभिः, मालिकाभिः **(ग)** आविर्भाव **(घ)** विषाक्तेन **(ङ)** विषाक्त-पदार्थैः **(च)** पञ्चदिवसात्मकः

4. निम्नलिखित वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद–

(क) अयम् उत्सवः सर्वेषाम् उत्सवानां प्रमुखो उत्सवः अस्ति। **(ख)** अयम् पर्वः पञ्चदिवसात्मकः भवति। **(ग)** दीपावलि दीपानां उत्सवः अस्ति। **(घ)** दीपावलि पर्वे बालकाः बालिकाश्च विस्फोटकान् स्फोटयन्ति। **(ङ)** दीपावलि पर्वे जनाः लक्ष्मीपूजनं कुर्वन्ति। **(च)** अयम् उत्सवः कार्तिकमासस्य अमावस्यायाम् भवति।

5. (क) निम्न शब्दों की संधि–

(क) स्वयमपि **(ख)** नैतत् **(ग)** दीपोत्सवे **(घ)** विद्युद्दीपैः **(ङ)** अत्याकषर्णम् **(च)** वर्णनमास्ति।

(ख) संधि – विच्छेद

(क) पुष्पमालाभिः + च **(ख)** महा + उत्सवानाम् **(ग)** दीपमाला + उत्सवः **(घ)** शरदकालीनम् + इदम् **(ङ)** श्रेष्ठम् + अस्ति **(च)** सुर + असुरैः

6. विलोम शब्द (मिलान)–

(क) रात्रिः **(ख)** स्वास्थ्यलाभः **(ग)** विकर्षणम् **(घ)** आलोकः **(ङ)** खट्ट **(च)** खिन्नम्

7. गद्यांश के उत्तर–

1. एक पद में उत्तर–

(क) भारतीयानाम् **(ख)** सीता **(ग)** दशरथः **(घ)** रामस्य

2. पूर्ण वाक्य में उत्तर–

(क) दशरथस्य आज्ञया वने श्रीरामः लक्ष्मणः सीता च गच्छन्ति। **(ख)** जनाः दीपावलि उत्सवे घृतदीपान् प्रज्वालयन्ति लक्ष्मी पूजां च कुर्वन्ति।

3. निर्देशानुसार उत्तर–

(क) षष्ठी विभक्ति **(ख)** स्त्रीलिङ्ग **(ग)** लट्लकार

4. शीर्षक–

'दीपावली'।

संस्कृत-8

द्वितीयः पाठः

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में–

(क) एकस्मिन् वने एक शशकः निवसति स्म। **(ख)** शशकः वृक्षस्य अधः छायायां सुप्तः आसीत्। **(ग)** वृक्षात् एकं फलं अपपत्। **(घ)** फलं शशकस्य उपरि अपतत्। **(ङ)** शशकः आत्मरक्षणाय अधावत्। **(च)** श्रान्तिं दूरीकर्तुं शशकः वृक्षस्य अधः सुप्तः आसीत्।

2. संस्कृत में वाक्य–प्रयोग

(क) एकस्मिन् वर्षे द्वादश मासाः भवन्ति। **(ख)** वट वृक्षस्य छाया शीतला आस्ति। **(ग)** कर्म कृत्वा एव फलं प्राप्यति। **(घ)** मार्गे एकः श्रृगालः आगच्छति स्म। **(ङ)** अहं चित्रपट दृष्ट्वा इदानीमेव आगच्छम्। **(च)** रामेण सह लक्ष्मणः अपि वनम् अगच्छत्।

3. उचित शब्द से रिक्त स्थानों की पूर्ति–

(क) कथम् **(ख)** अपतत् **(ग)** पृष्टवन्तौ **(घ)** कस्य **(ङ)** आनयत् **(च)** अहम्

4. संस्कृत पर्याय–

(क) पृष्टः **(ख)** आसीत् **(ग)** अहम् **(घ)** आकाशः **(ङ)** शशकः **(च)** लज्जितः

5. निम्नलिखित वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद–

(क) शशकः वने निवसति स्म। **(ख)** शशकेन सह अन्ये पशवः अपि अधावन्। **(ग)** वृक्षात् फलम् अपतत्। **(घ)** शशकः बहिः लज्जितः अभवत्। **(ङ)** शशकः मार्गे एकं कूपम् अपश्यत्। **(च)** शशकः श्वेतः भवति।

6. निम्नलिखित वाक्यों के लकार–

(क) बालाः दुग्धं पिबन्तु। **(ख)** अहं दूरदर्शनं पश्यामि। **(ग)** त्वं मन्दिरं गच्छसि। **(घ)** वयम् अत्र स्थास्यामः। **(ङ)** सा फलं न खादेत्।

7. गद्यांश के प्रश्नों के उत्तर–

1. (क) सिंहः **(ख)** बिलाद् **(ग)** सिंहः **(घ)** मूषकः

2. (क) सिंहः मूषकः अवदत् - त्वं क्षुद्रः जीवः असि। **(ख)** भयात् मूषकः सिंहम् अवदत्।

3. (क) (a) **(ख)** (c)

तृतीयः पाठः

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में–

(क) विप्रवेशधारी इन्द्रः। **(ख)** पुरन्दरः कर्णसमीपम् आगत। **(ग)** कर्णः पुरन्दराय कवच-कुण्डलान् ददाति। **(घ)** सदा दुतं दत्तं च तिष्ठति। **(ङ)** कालपर्ययात् पादपाः निपतन्ति। **(च)** प्रथमे कर्णः विप्राय गोसहस्रं दातुम इच्छति।

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति–

(क) अहं **(ख)** कर्णः **(ग)** त्वं **(घ)** अहं **(ङ)** शिक्षा

3. निम्नलिखित वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद–

(क) इन्द्रः कर्णाय कवच-कुण्डलानि आयाचत्। **(ख)** कर्णः सूर्यस्य पुत्रः आसीत्। **(ग)** दानदातृषु कर्णः श्रेष्ठः। **(घ)** नास्ति दान समं अन्यम्। **(ङ)** कर्ण! तिष्ठ! इन्द्रः त्वयं छलं करोति।

4. निम्न वाक्यों का हिन्दी में अनुवाद–

(क) तो फिर धरती जीतकर देता हूँ। **(ख)** देने तथा लेने वाला वहीं रहता है। **(ग)** अंगराज्! मत दो, मत दो। **(घ)** क्षण भर में दूध पीता हूँ। कर्ण इच्छा नहीं है। **(ङ)** आपको यदि अच्छा लगता है, कुण्डलों के साथ कवच देता हूँ। **(च)** यह हाथियों का झुण्ड देता हूँ।

5. विभक्ति और वचन–

(क) वार षष्ठी बहुवचनम् **(ख)** पादप प्रथमा बहुवचनम् **(ग)** पृथ्वी द्वितीया एकवचनम् **(घ)** भिक्षा द्वितीया एकवचनम् **(ङ)** भवत् चतुर्थी एकवचनम् **(च)** सहस्र प्रथमा एकवचनम् **(छ)** क्षीरः प्रथमा एकवचनम्

6. धातुरूपों के लकार-पुरुष और वचन–

(क) लट्, प्रथम, एकवचनम् **(ख)** लृट्, उत्तम, एकवचनम् **(ग)** लट्, प्रथम, एकवचनम् **(घ)** लट्, उत्तम, एकवचनम् **(ङ)** लट्, प्रथम, एकवचनम् **(च)** लट्, मध्यम, एकवचनम् **(छ)** लट्, प्रथम, एकवचनम्

7. बहुविकल्पीय उत्तर–

(क) (ii) **(ख)** (iv) **(ग)** (iii) **(घ)** (ii)

चतुर्थः पाठः

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में–

(क) शकटं, वाजिनं, हस्तिनं च पंचहस्तेन, दसहस्तेन, शत हस्तेन दूरं भवितव्यम्। **(ख)** वृत्तेन धर्मः रक्ष्यते। **(ग)** दुःखितैः संप्रयोगेण पंडितोऽप्यवसीयति। **(घ)** शाकेन रोगाः वर्द्धन्ते। **(ङ)** घृतेन वीर्यं वर्द्धते। **(च)** रविः सत्यो तपते।

2. पूर्ण श्लोक–

(क) धर्मो विद्या योगेन रक्ष्यते।
मृदुना रक्ष्यते भूपः सत् स्त्रिया

(ख) दशहस्तेन वाजिनम्।
हस्तिनं शतहस्तेन देशत्यागेन

(ग) वाजी हस्तेन ताड्यते।
श्रृंगी लगुऽहस्तेन खड्गहस्तेन

(घ) परम श्रेयः क्षमैका शान्तिरूक्तमा।
विद्वैका परमा तृप्तिराहिंसैका

3. निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द–

(क) सच्चरिता **(ख)** सुखी **(ग)** अधर्मः **(घ)** सहस्रेण **(ङ)** प्राप्येन **(च)** अपमानेन

4. सन्धि–

(क) वायुश्च **(ख)** अप्यवसीदति **(ग)** मांसान्मांसम् **(घ)** शुद्धिश्च **(ङ)** शिष्योपदेशम् **(च)** पण्डितोऽपि

5. निम्न वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद–

(क) धर्मेण वृत्तिं रक्ष्यते। **(ख)** योगेन विद्या रक्ष्यते। **(ग)** हस्तस्य शोभा दानेन भवति। **(घ)** दुर्जनः खड्गेन कर्त्तय। **(ङ)** पतिव्रतास्त्रिया गृहं रक्ष्यते। **(च)** यत्र परिश्रमः तत्र सफलता।

6. समानार्थक शब्दों का मेल–

(क) कष्टम् **(ख)** सदनम् **(ग)** धरा **(घ)** पवनः **(ङ)** देहः **(च)** सूर्यः

7. गद्यांश के प्रश्नों के उत्तर–

1. (क) दुःखानाम् **(ख)** अशिक्षा **(ग)** नागरिकाः **(घ)** संसारे

2. (क) समाजे यदि शिक्षायाः अभावः भवति तदा अनेके विकाराः उत्पन्नाः भवन्ति। **(ख)** दुःखानाम् मूलकारणम् अज्ञानम् एव अस्ति।

3. (क) (b) सप्तमी। **(ख)** (b) सुखम्।

4. **शीर्षकं–**

'अज्ञानता'।

पंचमः पाठः

1. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में–**

(क) जीवनयात्रा स्वस्थः शरीरेण बिना न सिध्यति। **(ख)** महर्षिः चरकः कथयति पञ्चभूतात्मकः हि देहः। **(ग)** शरीरस्य वातः, पित्तम्, कफः इति त्रयः दोषाः सन्ति। **(घ)** अजीर्णे भोजनं विषम्। **(ङ)** देहस्य इन्द्रियाणि पञ्च सन्ति। **(च)** चिकित्साशास्त्रे चरकसंहिता ग्रन्थः श्रेष्ठतमः।

2. **समानार्थक शब्दों का आपस में मेल–**

(क) इन्द्रिय-निग्रहः **(ख)** औषधिः **(ग)** निर्मलः **(घ)** देहः **(ङ)** व्याधिः **(च)** वायुः

3. **उचित शब्दों द्वारा रिक्तस्थानों की पूर्ति–**

(क) स्वस्थेन **(ख)** इन्द्रियाणि **(ग)** समतोलनं **(घ)** शरीरं **(ङ)** सदाचारः

4. **संधि – विच्छेदं**

(क) रोग + उपचारः **(ख)** जीवन + उपयोगीः **(ग)** स्वस्थः + आचरणम् **(घ)** शरीरः + आद्यम्

5. **निम्नलिखित वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद–**

(क) शरीरस्य त्रयः दोषाः सन्ति। **(ख)** मनः शरीरं च अन्योन्य आश्रितम्। **(ग)** चरकसंहिता आधुनिकः ग्रन्थः अस्ति। **(घ)** पञ्चभूतात्मकः देहस्य इन्द्रियाणि। **(ङ)** स्वस्थेन शरीरेण बिना जीवनयात्रा न सिध्येत्। **(च)** संयमः शरीरस्य समतोलनं विधीयते।

6. **संस्कृत में वाक्य रचना–**

(क) चिकित्सकः <u>रुग्णाय</u> औषधम् दीयते। **(ख)** महर्षिः चरकः आयुर्वेदः प्राचीना <u>चिकित्सकः</u> अस्ति। **(ग)** स्वस्थे नीरोगे <u>शरीरे</u> अकुण्ठितं मस्तिष्कं तिष्ठति। **(घ)** सदा हितकरं <u>भोजनं</u> खादेत्। **(ङ)** <u>सदाचारवान्</u> नरः शतं वर्षाणि जीवति। **(च)** एतेषां त्रयाणां दोषानां प्रमाणे विषमे जाते शरीरे रोगाः जायन्ते।

7. **बहुविकल्पीय उत्तर**

(क) (b) **(ख)** (b) **(ग)** (c) **(घ)** (d)

षष्ठः पाठः

1. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में–**

(क) संपूर्णविश्वे ''डिजिटल इण्डिया'' इत्यस्य चर्चा भवति। **(ख)** अद्य सर्वाणि कार्याणि चलदूरभाषयन्त्रेण साधितानि भवन्ति। **(ग)** वृक्षाणां कर्तनं संगणकस्य अधिकाधिक-प्रयोगेण न्यूनता यास्यति। **(घ)** वस्त्रपुटके रूप्यकाणाम् आवश्यकता न भविष्यति। **(ङ)** चिकित्सालये रूप्यकाणाम्/रुप्यकस्य आवश्यकता अद्य नानुभूयते। **(च)** वयम्

डिजीभारतम् इति दिशि अग्रेसरामः।

2. **संस्कृत में वाक्य रचना–**

(क) जनाः तीर्थेषु विश्रामगृहम् अन्वेषयन्ति। **(ख)** मम मनसि वैज्ञानिकानां विषये जिज्ञासा अस्ति। **(ग)** वृक्षेभ्यः पर्यावरण सुरक्षा भवति। **(घ)** टंकिता सामग्री अधुना न्यूना एवं प्राप्यते। **(ङ)** अद्य इन्टरनेट नेटवर्क बहुपयोगी अस्ति। **(च)** अद्य तु लेखनार्थं कर्गदस्य आवश्यकता नास्ति।

3. **रिक्त स्थानों की पूर्ति–**

(क) श्रुतिपरम्परया **(ख)** वस्त्रपुटके **(ग)** प्रगतियात्रा **(घ)** ''डेबिड कार्ड'', ''क्रेडिट कार्ड'' **(ङ)** संगणकयंत्रेण

4. **संधि–**

(क) पदस्यास्य **(ख)** उपचारार्थम् **(ग)** चातिष्ठत **(घ)** क्रयार्थम् **(ङ)** तालपत्रोपरि **(च)** विद्यालयः

5. **चतुर्थी विभक्ति से रिक्त स्थानों की पूर्ति–**

(क) छात्राय/छात्रेभ्यः **(ख)** लतायै **(ग)** निर्धनाय **(घ)** भिक्षुकाय **(ङ)** अध्यापकाय

6. **बहुविकल्पीय उत्तर–**

(क) (a) **(ख)** (b) **(ग)** (c) **(घ)** (a)

7. **कम्प्यूटर विषय पर एक अनुच्छेद–**

कम्प्यूटर पर संस्कृत निबंध

कम्प्यूटर शब्दः आंग्लभाषायाः गणनार्थकात् कम्प्यूट शब्दाद् निष्पद्यते। अतः कम्प्यूटरस्य कृते संगणक-शब्दः प्रयुज्यते। आधुनिकेषु आविष्कारेषु कम्पयूटरस्य विशिष्टं महत्वं वर्तते। वर्तमान-युगः संगणक-युगः इति निगद्यते। संगणकेन मानव-जीवन नवीनाः क्रान्तिः विहिता। संगणकः ज्ञानविज्ञानवार्धकं यन्त्रं विद्यते। सर्वप्रथमं सांख्यिकी-कम्प्यूटरस्य निर्माणं पेनसिलवेनिया-विश्वविद्यालये 1946 ईसवीये अभवन्। तदा एतस्य भारः त्रिंशत्-टन-परिमितम् आसीत्। साम्प्रतं कम्प्यूटरः अतिद्रुतगत्या विकासं कुर्वन् लोकस्य उपयोगितां साधयति। आकार-प्रकार-दृष्टया कार्यक्षमतां चाश्रित्य कम्प्यूटरः चतुर्वर्गेषु विभाज्यते।

(क) मेन फ्रेम कम्प्यूटरः **(ख)** मिनी कम्प्यूटरः **(ग)** माइक्रो कम्प्यूटरः **(घ)** सुपर कम्प्यूटरः

सप्तमः पाठः

1. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में–**

(क) अधमाः धनस्य इच्छन्ति। **(ख)** जननी जन्मभूमिश्च स्वर्गात गरीयसी भवति। **(ग)** लोचनाभ्याम् विहीनस्य दर्पणः किम् करिष्यति। **(घ)** विषकुम्भं पयोमुखम् मित्रं वर्जयेत्। **(ङ)** व्यासस्य वचनद्वय– परोपकारः पुण्याय पापाय परपीऽनम्। **(च)** उद्यमेन एव कार्याणि सिध्यन्ति।

2. उचित पद से रिक्त स्थानों की पूर्ति–

(क) प्रत्यक्षे **(ख)** धनमानौ, मध्यमाः **(ग)** सर्वमात्मवंश **(घ)** जन्मभूमिश्च, गरीयसी **(ङ)** सिध्यन्ति, मनोरथैः **(च)** परोपकारः

3. विलोम शब्द–

(क) श्रेष्ठः **(ख)** धर्मः **(ग)** अप्रत्यक्षः **(घ)** चतुरः **(ङ)** असत्यम् **(च)** अमृतकुम्भः

4. अव्यय शब्दों के वाक्य प्रयोग

(क) श्रीकृष्णः एव अर्जुनस्य सारथिः आसीत्। **(ख)** अहम् अपि त्वया सह विद्यालयं गमिष्यामि। **(ग)** ज्ञान विना सुखं नास्ति। **(घ)** पीयूषः मित्रै सह क्रीडति। **(ङ)** अत्र कथा भविष्यति। **(च)** रामः रविः च क्रीडतः।

5. मिलान–

(क) श्रेष्ठः **(ख)** नीचः **(ग)** मानवः **(घ)** रक्तम् **(ङ)** घटम् **(च)** पृथिव्याम्

6. संस्कृत में अनुवाद

(क) सर्वदा सत्यं प्रियं च वदेयुः। **(ख)** परिश्रमं मानवस्य सर्वश्रेष्ठः गुणः अस्ति। **(ग)** अप्रियं नास्ति वदेत्। **(घ)** जननी जन्मभूमिश्च वृहत् भवति। **(ङ)** अधमाः धनमिच्छन्ति। **(च)** विद्वान् सर्वत्र पूज्यते।

7. बहुविकल्पीय प्रश्न

(क) (c) **(ख)** (c) **(ग)** (b) **(घ)** (a)

अष्टमः पाठः

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में–

(क) तीर्थस्थानं सारनाथम् स्थितं विश्वप्रसिद्धं बौद्धामन्दिरम् वाराणसी विद्यते। **(ख)** वरुण तथा असी द्वे नद्यौः मध्ये वाराणसी नगरी विराजते। **(ग)** वाराणसी, भारत देशः विश्वगुरुः विघते। **(घ)** काशीति आख्या काशी नगरीस्य नाम काश नाम्ना राज्ञा द्वारा स्थापिता नामानुसारेण अभवत्। **(ङ)** वाराणस्यां विश्वनाथस्य सुवर्णचूडं मन्दिरं, संकटमोचन-मन्दिरं, नवीनविश्वनाथ मन्दिरं, दुर्गामन्दिरं, काल भैरवमन्दिरं, तुलसीमानस -मन्दिरं च प्रसिद्धाः। **(च)** भगवान बुद्धः शिष्येभ्यः प्रथमज्ञानोपदेशं सारनाथे अददात्।

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति–

(क) प्राचीनतम **(ख)** देवः **(ग)** बहवो विद्यालयाः **(घ)** समाकृष्टा **(ङ)** सनातन

3. रेखांकित शब्दों का प्रश्न निर्माण–

(क) अत्रैव कस्य प्रसिद्धं सुवर्णचूडं मन्दिरम् अस्ति? **(ख)** वाराणस्यां को उत्तरावाहिनी जाता? **(ग)** कस्याः विश्वविख्यातः केन्द्रः हिन्दूविश्वविद्यालयः अस्ति? **(घ)** भगवान बुद्धः प्रथमं ज्ञानोपदेशं केभ्यः अददात्? **(ङ)** वाराणसी केषाम् पवित्रं तीर्थस्थानम् अस्ति?

4. **संस्कृत में वाक्य प्रयोग–**

(क) अस्मांक देशे बहूनि तीर्थस्थानानि सन्ति। **(ख)** भारते बहूनि मन्दिराणि शोभन्ते। **(ग)** कालभैरव काशीस्य संरक्षकः। **(घ)** वाराणसी वामतटे स्थितेयं नगरी। **(ङ)** वाराणसी अनेकानि पर्यटनस्थलानि सन्ति। **(च)** विश्वप्रसिद्धं सारनाथ स्थितं बौद्धमन्दिरम् इहैव अस्ति।

5. **क्रियापदों की धातु का वर्णसंयोजन–**

(क) प् + र् + अ + व् + अ + ह् + अ + त् + इ **(ख)** भ् + अ + व् + इ + ष् + य् + अ + न् + त् + इ **(ग)** व् + इ् + र् + आ + ज् + अ + त + ए **(घ)** व् + इ + द्य् + अ + त + ए **(ङ)** ब् + अ + भ् + ऊ + व् + अ **(च)** ज + अ + ग् + अ + द् + ई् + श् + व् + अ + र् + अः

6. **भिन्न वर्ग का शब्द–**

(क) मित्रम् **(ख)** लताः **(ग)** पुस्तिका **(घ)** मनोहराणि **(ङ)** निशाचरः

7. **गद्यांश के प्रश्नों के उत्तर–**

(क) (a) वाराणसी (b) काशी (c) गङ्गायाम् (d) सोमवासरे

(ख) (a) वाराणस्यां बहुविधाः जनाः वसन्ति। (b) काशी विदुषाम् प्रिया नगरी अस्ति।

(ग) (c) पष्ठी (c) यमुना (a) 1000 (d) लट्

नवमः पाठः

1. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में–**

(क) सिलसी द्वीपस्य राजा डायनोससः आसीत्। **(ख)** डामनो अनुनयं श्रुत्वा क्रुद्धः नृपतिः प्राह-विद्रोहिन्! नाहं मूर्खः त्वं मां छलयित्वा पलायितुं कामयसे? **(ग)** सेरावन्यूजनामके स्थिते द्वे मित्रे डामन-पेथियसौ च नाम स्तः, तयोः प्रगाढ़ा मैत्री। **(घ)** मृत्युदण्डसमाचारं श्रुत्वा पेथियसः प्रधावन् राजसभाम् अगच्छत्? **(ङ)** पेथियसः कारागृहे व्यचारयत्–"यदि डामनस्य प्रत्यागमने विलम्बो भवेत् तर्हि सुष्ठ स्यात् तेन तत्स्थाने मृत्युदण्डमहं प्राप्स्यामि येन जगत् विजानीयात् प्रगाढ़ा मैत्री कीदृशी भवति। **(च)** डामनपेथियसो मैत्रीं विलोक्य राजा डायनोससः चकितः सञ्जातः।

2. **रिक्त स्थानों की पूर्ति–**

(क) सिसलद्वीपे, डायनोससः **(ख)** पलायितुं **(ग)** जलयाने **(घ)** अनुकूलेन **(ङ)** ईश्वरस्यानुकम्पायहं **(च)** सन्तुष्टाः

3. **वाक्य प्रयोग (संस्कृत में)–**

(क) मृत्युदण्डभाजो ममान्तिमैका समीहा वर्तते, राजन्! **(ख)** सा बहुकाले विललापः। **(ग)** अत्र राजद्रोहस्य किं कारणम्?**(घ)** तयो दुग्धमिश्रितजलवत् प्रोढा मैत्री अस्ति। **(ङ)** सिंह दृष्ट्वा सः स्तब्धो जातः।

4. **संस्कृत में अनुवाद**

(क) सेराक्यूज नगरे द्वे मित्रे निवसतः। **(ख)** एवं बद्ध्वा कारगांर पातयत। **(ग)** मम मित्रः

धूर्तः नास्ति। **(घ)** कारागृहस्थः जनः दण्डभाग् भविष्यति। **(ङ)** अहं स्वपरिबारेण सार्धं समुद्रपारं गन्तुमिच्छामि।

5. शब्दों रूपों के लिंग, विभक्ति, वचन–

	विभक्तिः	लिङ्गं	वचनम्
(क)	प्रथमा	नपुंसकलिङ्ग	द्विवचनम्
(ख)	तृतीया	नपुंसकलिङ्ग	एकवचनम्
(ग)	प्रथमा	नपुंसकलिङ्ग	बहुवचनम्
(घ)	प्रथमा/द्वितीया	नपुंसकलिङ्ग	द्विवचनम्
(ङ)	प्रथमा/सम्बोधन	पुंल्लिङ्ग	बहुवचनम्
(च)	पष्ठी	पुंल्लिङ्ग	एकवचनम्
(छ)	पच्चमी	नपुंसकलिङ्ग	एकवचनम्

6. बहुविकल्पीय उत्तर–

(क) (a) **(ख)** (c) **(ग)** (d) **(घ)** (b)

दशमः पाठः

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में–

(क) हरो, विष्णुः **(ख)** पक्षिराजः, त्रिनेत्रधारी। **(ग)** कृष्णः, शीतलवाहिनी **(घ)** दूरगामी, पण्डितः **(ङ)** दारपोषणरताः, बलवन्तं, शीतम् **(च)** शान्ता, कोऽभूत

2. 'आम्' या 'न'

(क) आम् **(ख)** न **(ग)** आम् **(घ)** आम् **(ङ)** न **(च)** न

3. श्लोकों का मिलान–

(क) मृगात् सिंहः पलायते। **(ख)** अत्रैवोक्तं न बुध्यते। **(ग)** का शीतलवाहिनी गङ्गा। **(घ)** तक्रं शक्रस्य दुर्लभम्। **(ङ)** न च भीमसेनः। **(च)** साक्षरो न च पण्डितः।

4. शब्द रूपों के लिङ्ग, विभक्ति और वचन–

	लिङ्ग	विभक्तिः	वचनम्
(क)	स्त्रीलिङ्ग	प्रथमा	एकवचनम्
(ख)	नपुंसकलिङ्ग	प्रथमा	द्विवचनम्
(ग)	पुंल्लिङ्ग	द्वितीया	एकवचनम्
(घ)	पुंल्लिङ्ग	प्रथमा	एकवचनम्
(ङ)	स्त्रीलिङ्ग	सप्तमी	बहुवचनम्
(च)	पुंल्लिङ्ग	षष्ठी	बहुवचनम्

5. **संधि – विच्छेद**

(क) को + अभूत् **(ख)** करिणाम् + कुलम् **(ग)** अत्र + एव + उक्तम् **(घ)** वृक्ष + अग्रवासी **(ङ)** विभत् + न **(च)** त्वक् + वस्त्रधारी

6. **विलोम शब्द–**

(क) कातरः **(ख)** पलायते **(ग)** विद्वद्भि **(घ)** म्रियते **(ङ)** शान्ता **(च)** तत्रैव

एकादशः पाठः

1. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में–**

(क) भारतमातुः श्वेतमुकुटः हिमालयः। **(ख)** वारिधयः अस्याः चरणयुगलं प्रक्षालयन्ति। **(ग)** देवभूमिः भारतभूमिः अस्ति। **(घ)** विविधात्याम् एकता एव भारतभूमेः वैशिष्ट्यम् अस्ति। **(ङ)** वयं स्वमातरम् इव एतां जन्मभूमिं सततं सेवामहे। **(च)** रामस्य पितुः नाम नृपः दशरथः आसीत्।

2. **रिक्त स्थानों की पूर्ति–**

(क) एकता **(ख)** भारतभूमिः **(ग)** समग्रविश्वे **(घ)** स्वर्गाः **(ङ)** चरणयुगलं

3. **संस्कृत में वाक्य प्रयोग–**

(क) भारतीयाः संस्कृतिः अतीव प्राचीन अस्ति। **(ख)** काशी विश्वे प्राचीनं पवित्रं तीर्थस्थान अस्ति। **(ग)** अस्माकं कार्यं वस्त्रप्रक्षालनम् अस्ति। **(घ)** हिमालयः भारतवर्ष रक्षति। **(ङ)** सीता संस्कृत पठिष्यति। **(च)** हिमालयः पर्वतः विविधा रूपा प्रकृतिः वसति।

4. **समानार्थक शब्द–**

(क) राजा **(ख)** पावनम् **(ग)** नीरम् **(घ)** वारिधयः **(ङ)** अनवरतं **(च)** धरा

5. **संधि–**

(क) लक्ष्मणोऽपि **(ख)** विद्यार्थी **(ग)** देवालयः **(घ)** हिमालयः **(ङ)** नरेशः **(च)** जन्मोत्सवः

6. **बहुविकल्पीय उत्तर–**

(क) (d) **(ख)** (c) **(ग)** (d) **(घ)** (a)

7. **गद्यांश के प्रश्नों के उत्तर–**

1. **(क)** दशरथः। **(ख)** श्रीरामः। **(ग)** सीता। **(घ)** दशरथस्य।
2. **(क)** रामः दशरथस्य आदेशेन वनम् अगच्छत्। **(ख)** जनाः स्वगृहान् तदा अभूषयन् यदा रामः अयोध्याम् प्रत्यागच्छत्।
3. **(क)** भूष्। **(ख)** वापस आए।

द्वादशः पाठः

1. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में–**

(क) अस्य विषये इतिहासस्य अनुसंधानेन ज्ञातम् यदयं विक्रमादित्यस्य राजसभायाः

नवरत्नेषु सर्वश्रेष्ठः कविः कालिदासः आसीत्। **(ख)** जर्मनी देशवासिनस्तु तं विश्वकविरेव कथयन्ति। **(ग)** कालिदासस्य विवाहः पण्डितैः परमविदुष्या विद्वत्तमया सहअभंवत्। **(घ)** कालिदासः स्वगृहस्य द्वारेस्थित्वा पत्नीमवदत्- "अनावृतं कपाटं, द्वारं देहि।" **(ङ)** कालिदासस्य ग्रन्थानां नामनि यथा- ऋतुसंहारम्, मेघदूतम्, कुमारसंभवम्, गीतकाव्यम्, विक्रमोर्वशीयम्, अभिज्ञान-शाकुन्तलं चेति।

2. एक पद में उत्तर–

(क) कवि- कालिदासस्य नाम समस्ते संसार महती प्रसिद्धिः। **(ख)** आँग्लदेशवासिनः तम् द्वितीयं शैक्सपीयरं वदन्ति। **(ग)** कालिदासः संस्कृतभाषायाः कविसम्राट् कथ्यते। **(घ)** कालिदासः बाल्यकाले मूर्खः आसीत्। **(ङ)** संस्कृत साहित्यस्य सर्वोत्तमा कृति अभिज्ञानशाकुन्तलं अस्ति।

3. उचित शब्दों द्‌वारा रिक्त स्थानों की पूर्ति–

(क) संस्कृतभाषायाः **(ख)** आँग्लदेशवासिनः **(ग)** प्रत्यागच्छत **(घ)** अभिज्ञानशाकुन्तलं **(ङ)** रम्यम्

4. विभक्ति और वचन–

	विभक्तिः	**वचनम्**
(क)	प्रथमा	एकवचनम्
(ख)	पंचमी/षष्ठी	एकवचनम्
(ग)	पंचमी/षष्ठी	एकवचनम्
(घ)	षष्ठी	बहुवचनम्
(ङ)	षष्ठी	बहुवचनम्
(च)	सप्तमी	बहुवचनम्

5. निम्नलिखित का संस्कृत में अनुवाद–

(क) सर्वे कविषु कालिदास श्रेष्ठतमः। **(ख)** कालिदासः सप्त ग्रन्थः रचितवान्। **(ग)** अभिज्ञानशाकुन्तलं संस्कृत साहित्यस्य सर्वोत्तमा कृतिरस्ति। **(घ)** कालिदासः संस्कृतभाषायाः महान् कविः आसीत्। **(ङ)** संस्कृत भाषा विश्वस्य सर्वासु प्राचीनं भाषा अस्ति।

6. बहुविकल्पीय प्रश्न–

(क) (c) **(ख)** (c) **(ग)** (b) **(घ)** (a)

7. गद्यांश के प्रश्नों के उत्तर–

1. **(क)** विद्‌योत्तमा **(ख)** महाकविः कालिदासः

2. **(क)** अनेके विद्वांसः पंडिताः च सह शास्त्रार्थं कृत्वा पराजिताः कालिदासः विद्वान अभवत्। **(ख)** विवाहानन्तरं यदा विद्योत्तमा सत्यम् अजानात् तदा कालिदासं गृहात् बहिः अकरोत्।

3. **(क)** विद्वान् **(ख)** कालिदासाय

4. **शीर्षकं–**

महाकविः कालिदासः

त्रयोदशः पाठः

1. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में–**

(क) हिमालयः भारतस्य उत्तर-दिशायां स्थितः अस्ति। **(ख)** हिमालये अनेके वनस्पतयः औषधयः च उद्भवन्ति। **(ग)** हिमालये अनेकानि रम्यानि पर्यटनस्थलानि सन्ति। **(घ)** हिमालयक्षेत्रे फलानामपि प्रचुरं शस्यं भवति। सेवानाम्, अक्षोटानां, वातदानां, काजवादीनां च फलानि विशेषेण समुद्रभवन्ति। **(ङ)** पृथित्या मानदण्डः दव कालिदासः अस्ति।

2. **संस्कृत में एक शब्द में उत्तर–**

(क) भारतः **(ख)** हिमालयः **(ग)** षड् **(घ)** अनेकाः नद्यः **(ङ)** वयम् हिमालयं नमामः

3. **रिक्त स्थानों की पूर्ति–**

(क) <u>प्रकृतिः</u> **(च)** <u>शिखराणि</u> **(ग)** <u>नद्यः</u> **(घ)** <u>हिमालयः</u> **(ङ)** <u>उद्भवन्ति</u> **(च)** <u>पृथित्याः</u>

4. **समस्त पद–**

(क) मानदण्ड **(ख)** देवराजः **(ग)** नगाधिराजः **(घ)** हिमालयः **(ङ)** तीर्थस्थानानि **(च)** हिमाच्छादितानि

6. **संस्कृत में अनुवाद–**

(क) भारतः एकः महान् देशः अस्ति। **(ख)** हिमालयः पर्वतानां राजा अस्ति। **(ग)** हिमालयात् अनेकाः नद्यः निस्सरन्ति। **(घ)** एताः नद्यः भारतस्य विस्तृतं भू भागं सिञ्चन्ति। **(ङ)** हिमालयस्य उन्नत-शिखरेषु हिमं तिष्ठति। **(च)** हिमालयः भारतस्य रक्षकः।

7. **गद्यांश के प्रश्नों के उत्तर–**

1. **एक पद में उत्तर–**

(क) भारतस्य उत्तरदिशायाम् हिमालयः अस्ति। **(ख)** तापेन तप्ताः जनाः प्रतिवर्षम् ग्रीष्मे हिमालयः गच्छन्ति। **(ग)** हिमालये अनेकानि स्थानानि सन्ति। **(घ)** अस्य रक्षणे एव भारतस्य रक्षणम्।

2. **पूर्णवाक्य में उत्तर–**

(क) हिमालयः भारतस्य उत्तरदिशायाम् स्थितः अस्ति। **(ख)** भक्ताः मन्दिरेषु ईश्वरस्य

दर्शनम् कुर्वन्ति।

3. **मिलान में उत्तर–**

(क) सतलुज **(ख)** बीमार **(ग)** धूप से **(घ)** ढकी हुई

4. **शीर्षक–**

हिमालयः पर्वतः

चतुर्दशः पाठः

1. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में–**

(क) यो यस्यमनसि स्थितिः सः दूरस्थोऽपि जनः दूरस्थः न भवति। **(ख)** प्रस्तावसदृशंवाक्यं प्रभाव संदृशं प्रियम् आत्मशक्तिसमं कोपं यः जानति सः पण्डितः। **(ग)** खलानां कंटकानां प्रतिक्रिया द्विविधैव- उपानान्मुख भंगोवा दूरता वा विसर्जनम्। **(घ)** दरिद्रयम् उद्योगे नास्ति। **(ङ)** पुत्रं प्रथम पंचवर्षाणि लालयेत् दशवर्षाणि ताऽयेत् किन्तु षोऽशे प्राप्ते मित्रवत् एव आचरेत्।

2. **रिक्त स्थानों की पूर्ति–**

(क) दूरस्थो **(ख)** कोपं, पण्डितः **(ग)** कण्टाकानां, प्रतिक्रिया **(घ)** प्रीतिः, सेवा **(ङ)** नास्ति **(च)** भोजनान्ते

3. **श्लोकों का हिन्दी भाषा में अनुवाद–**

(क) अनुवाद– दूर होने पर भी जो दूर नहीं है, जो मन में स्थित है, जो जिसके हृदय में नहीं है वह पास होने पर भी दूर है।

(ख) अनुवाद– पाँच वर्ष तक प्यार दुलार करना चाहिए। दस वर्ष तक पीटकर संभालना चाहिए। सोलह वर्ष के पुत्र को मित्र के समान आचरण करना चाहिए।

4. **मिलान–**

(क) समीपस्थोऽपि दूरतः। **(ख)** दूरतो वा विसर्जनम्। **(ग)** दिव्या स्त्री शोभते गृहे। **(घ)** जपतो नास्ति पातकम्। **(ङ)** नास्ति जागरिते भयम्। **(च)** पुत्रं मित्रवदाचरेत्।

5. **उचित शब्द रूपों से रिक्त स्थानों की पूर्ति–**

	विभक्तिः	**एकवचनम्**	**द्विवचनम्**	**बहुवचनम्**
(क)	प्रथमा	खल्	....	....
	द्वितीया	....	खलौ	खलाः
(ख)	प्रथमा	....	कंटकौ	कंटकाः
	द्वितीया	कण्टकम्	....	कण्टकान्
(ग)	प्रथमा	प्रतिक्रिया	....	प्रतिक्रियाः
	द्वितीया	....	प्रतिक्रिये	प्रतिक्रियाः

(घ) प्रथमा	....	पातके	पातकानि
द्वितीया	पातकम्	पातके	....
(ङ) प्रथमा	भेषजम्	....	भेषजानि
द्वितीया	भेषजम्	....	भेषजानि

6. निम्न वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद–

(क) बिना नारीम् गृहम् न शोभते। **(ख)** उपानान्मुख भंगं कुर्यात्। **(ग)** व्यवहारेषु व्यवसायम् उपजायते। **(घ)** अजीर्णे भेषजं वारि भवति। **(ङ)** भोजनान्ते जल-पानं विषमिव भवति। **(च)** दिव्या नारी गृहस्य शोभा भवति।

7. गद्यांश के प्रश्नों के उत्तर–

1. **(क)** (d) **(ख)** (b)
2. **(क)** अस्माभिः सदैव शिक्षा-दानेन अशिक्षितानां जनानां सहायता कर्तव्या।

   (ख) अज्ञानात् अन्धविश्वासादयः च एव लोके अनेके विकाराः उत्पन्नाः भवन्ति।
3. **(क)** सदा + एव **(ख)** पंचमी (संसारात्) **(ग)** अज्ञानम् **(घ)** तस्य

पंचमदशः पाठः

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में–

(क) मोहनदास कर्मचन्द गान्धिः अस्माकं राष्ट्रपिता। **(ख)** माहत्मा गान्धिनः जन्म 2 अक्टूबर मासे 1869 ई0 वर्षे पोरबंदरे च अभवत्। **(ग)** गान्धिमहोदयस्य प्रारम्भिकी शिक्षा गूर्जर राज्ये अभवत्। **(घ)** दक्षिणाफ्रीकादेशं गत्वा गान्धिः रंग भेद नीते विरोधं कृत्वा सफलतां प्राप्तवान्। **(ङ)** गान्धिमहोदयस्य नश्वरशरीरं नाथूराम गोऽसे नामधेयेन मानवेन कदा च व्यापादितः। **(च)** गान्धिमहोदयस्य द्वे अस्त्रे सत्यहिंसाश्च स्तः।

2. संस्कृत में वाक्य प्रयोग–

(क) महात्मा गान्धिस्य माता पुतलीबाई <u>सत्यप्रिया</u> आसीत्। **(ख)** शिक्षां समाप्य सः स्वदेशम् आगच्छत्। **(ग)** नश्वरशरीरं परित्यज्य <u>कथावशेषो जातः</u>। **(घ)** महात्मा गान्धिनः <u>दीन-हीनानां बन्धुः</u> दयासिन्धुश्च आसीत्। **(ङ)** वैदेशिकाः आंग्लाशासकाः भारतं <u>परित्यज्य</u> स्वदेशम् अगच्छन्। **(च)** महात्मा गान्धिः विश्वस्य कृते अनुकरणीयः <u>वन्दनीयः</u> चास्ति।

3. वाक्यों में प्रयुक्त क्रियाएँ शुद्ध–

(क) कर्मचन्द्रः राजकोटस्य राज्यस्य प्रधानमन्त्री पदम् अलङकरोति स्म। **(ख)** शिक्षां समाप्य सः स्वदेशम् आगच्छत्। **(ग)** स्वयं अपि कोपीनम् धृतम्। **(घ)** आंग्लाशासकाः भारतं परित्यज्य स्वदेशम् अगच्छन्। **(ङ)** तं निधनसमाचारं श्रुत्वा सम्पूर्णं जगत् शोकाकुलं गतः।

4. **उचित शब्दों द्वारा रिक्त स्थानों की पूर्ति–**

(क) गान्धिः **(ख)** गुर्जरराज्ये **(ग)** परित्यज्य **(घ)** अनुकरणीयः वन्दनीयः **(ङ)** समाप्य

5. **निम्न वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद–**

(क) महात्मा गान्धिः सत्याहिंसा च पूजकः आसीत्। **(ख)** सत्याहिंसा च गान्धिनः द्वे अस्त्रे आस्ताम्। **(ग)** मोहनदास करम चन्द गाँधी गान्धिनः सम्पूर्णः नाम अस्ति। **(घ)** गान्धिनः प्राथमिक शिक्षा पोरबंदरे अभवत्। **(ङ)** गान्धिः अहिंसात्मकं सत्याग्रहं आन्दोलनस्य नेतृत्यं अकरोत्। **(च)** महात्मा गान्धिः न केवलं अस्माकं कृते अपितु सम्पूर्णस्य विश्वस्य अनुकरणीयः चास्ति।

6. **निम्नलिखित धातुरूपों के लकार-पुरुष और वचन–**

	लकारः	पुरुषः	वचनम्
(क)	लङ्	प्रथम	एकवचनम्
(ख)	लङ्	प्रथम	एकवचनम्
(ग)	द्वितीया	पुल्लिंग	एकवचन
(घ)	षष्ठी	नपुसंकलिङ्ग	एकवचनम्
(ङ)	लङ्	प्रथम	एकवचन

7. **बहुविकल्पीय प्रश्न–**

(क) (c) **(ख)** (b) **(ग)** (d) **(घ)** (d)

षोडशः पाठः

1. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में–**

(क) दिल्ली नगरतः कृष्णदेवसिंहः हिमपर्वतं गमिष्यति। **(ख)** दिल्ली नगरं इन्द्रप्रस्थः नाम्ना प्रसिद्ध अस्ति। **(ग)** प्रथम पत्रस्य लेखकः दिल्लीनगरे वसति। **(घ)** प्रथम पत्रस्य लेखकः कृष्णदेवसिंहः अस्ति। **(ङ)** राहुल कालराः धवलगिरिः शिखरे अरोहयिष्यति गमिष्यति वा।

2. **रिक्त स्थानों की पूर्ति–**

(क) श्वः। **(ख)** मम **(ग)** प्राप्तः **(घ)** स्थानात् **(ङ)** दिल्लीनगर

3. **संस्कृत में वाक्य प्रयोग–**

(क) सुलेखा <u>पत्रम्</u> लिखति। **(ख)** जगन्नाथः <u>मम</u> भ्राता अस्ति। **(ग)** तव सदैव <u>कुशलम्</u> इच्छामि। **(घ)** अहम् सुप्रभातः <u>भ्रमणार्थं</u> गच्छामि। **(ङ)** <u>दिल्ली</u> नगरम् अतीव सुदंरम् अस्ति **(च)** तरू <u>शिखरस्य</u> नाम धवलगिरिः इति अस्ति।

4. विभक्ति और वचन–

	मूलपदम्	विभक्तिः	वचनम्
(क)	इदम्	षष्ठी	एकवचनम्
(ख)	पाण्डव	षष्ठी	बहुवचनम्
(ग)	माता	द्वितीया	एकवचनम्
(घ)	नगर	पञ्चमी	एकवचनम्
(ङ)	दर्शनम्	तृतीया	एकवचनम्
(च)	नाम	तृतीया	एकवचनम्

5. मूल धातु, लकार, पुरुष और वचन–

	मूलधातु	लकारः	पुरुषः	वचनम्
(क)	इच्छ्	लट्	मध्यम	एकवचनम्
(ख)	नी	लङ्	मध्यम	एकवचनम्
(ग)	भू	लङ्	प्रथम	एकवचनम्
(घ)	या	लट्	मध्यम	एकवचनम्
(ङ)	अस्	लट्	प्रथम	एकवचनम्
(च)	गम्	लृट्	उत्तम	एकवचनम्

6. प्रकृति–प्रत्यय

(क) कृ + तव्यत् **(ख)** ज्ञा + क्त्वा **(ग)** आ + गम् + तुमुन् **(घ)** लभ् + क्त **(ङ)** ज्ञा + क्त **(च)** दृश + त्वयत् **(छ)** प्र + आप + क्त

7. गद्यांश के प्रश्नों के उत्तर–

1. एक पद में उत्तर

(क) (b) **(ख)** (c) **(ग)** (a) **(घ)** (a)

2. निर्देश के अनुसार उत्तर

(क) अस् **(ख)** बहुवचनम् **(ग)** पुराण **(घ)** बहुवचनम्

सप्तदशः पाठः

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में–

(क) अमितः गृहं गन्तुं अवकाशं वाञ्छति। **(ख)** स्वामी चतुरः आसीत्। **(ग)** अमितः जनान् आकाशम, धरां, वृद्धा च सर्वां व्यथां श्रावयति। **(घ)** अन्या मक्षिका ललाटे दशति। **(ङ)** स्वामी अमिताय अवकाशं वेतनं च दातुं न इच्छति। **(च)** अमितः सरलः परिश्रमी च आसीत्।

2. 'लकार' परिवर्तन–

(क) अमितः परिश्रमी अस्ति। **(ख)** अहं शिक्षकाय धनं दास्यामि। **(ग)** परिश्रमी जनः धनं प्राप्नोति। **(घ)** स्वामी उच्चैः अवदत्। **(ङ)** अमितः पेटिकां ग्रहीष्यति। **(च)** त्वम् उच्चैः पठ।

3. विलोम पद–

(क) मूर्खः **(ख)** नेतुम् **(ग)** गच्छति **(घ)** सेवकः **(ङ)** दुःखित **(च)** नीचैः

4. वाक्य घटनाक्रम के अनुसार–

(क) अमितः सरलः परिश्रमी च आसीत्। **(ख)** एकदा सः गृहं गंतु अवकाश वाञ्छति। **(ग)** अमितः पेटिकाम् आनयति। **(घ)** मक्षिके स्वामिनं दशतः। **(ङ)** पीडितः स्वामी अत्युच्चैः चीत्करोति। **(च)** स्वामी अवकाशस्य पूर्ण धनं ददाति।

5. रिक्त स्थान की पूर्ति–

(क) च **(ख)** उच्चैः **(ग)** इव **(घ)** एव **(ङ)** अपि

6. मिलान–

(क) करे **(ख)** शीघ्रम् **(ग)** अकस्मात् **(घ)** द्रविणम् **(ङ)** गगनम् **(च)** पृथ्वीम्

7. गद्यांश के प्रश्नों के उत्तर

1. एक पद में उत्तर–

(क) स्वामी **(ख)** पेटिकाम् **(ग)** पेटिकायाम् **(घ)** मधुमक्षिका

2. पूर्णवाक्य में उत्तर–

(क) अन्या मधुमक्षिका ललाटे दशति। **(ख)** तदा स्वामी अत्युच्चैः (अति + उच्चैः) चीत्करोति।

3. निर्देश के अनुसार उत्तर–

(क) उच्चैः **(ख)** चकितः **(ग)** **(a)** लघुपात्रम् **(b)** मधुमक्षिका **(c)** ललाटे

अष्टादशः पाठः

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में–

(क) स्वरे सिंहगर्जनम् भवेत्। **(ख)** वीर सैनिकानां लक्ष्यं शत्रुव्यूहमर्दनम् भवेत्। **(ग)** मातृभूम्यै रक्षार्थं प्राणमोहः त्याज्यं भवति। **(घ)** समुद्रपर्वतबाधकाः बहवः असंख्यकण्टकाः सन्ति। **(ङ)** ध्वजः त्रिवर्णिकः अस्ति। **(च)** वीरः गुल्म सैनिकाः पदं वर्धताम्।

2. उचित शब्दों द्वारा रिक्त स्थानों की पूर्ति–

(क) कम्पताम्, सदैव **(ख)** करे **(ग)** बाधकाः, कण्टकाः **(घ)** भारत **(ङ)** पदं **(च)** वीरसैनिकाः

3. विलोम शब्द–

(क) कायरः **(ख)** प्राप्तम् **(ग)** गिरन्तु **(घ)** अस्त्रम् **(ङ)** रक्षणम् **(च)** मित्रः

4. निम्नलिखित वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद–

(क) भारतीय ध्वजे त्रिवर्णिकः अस्ति। **(ख)** भारतीय ध्वजे अशोक चक्रः सुशोभितः अस्ति। **(ग)** सैनिकः देशरक्षायै प्राणान् व्यजति। **(घ)** सर्वेभ्य सैनिकेभ्यः नमः।

5. बहुविकल्पीय प्रश्न–

(क) (b) **(ख)** (b) **(ग)** (c) **(घ)** (d)

6. गद्यांश के प्रश्नों के उत्तर–

1. एक पद में उत्तर

(क) गणतन्त्रदिवसः अस्माकं भारतीयानां राष्ट्रियं पर्व अस्ति। **(ख)** देंशभक्तैः वीरैः स्वप्राणानाम् आहुतिः दत्ता। **(ग)** नेतारः। **(घ)** त्यागैंः।

2. पूर्णवाक्य में उत्तर

(क) ईशवीये 1950 तमे वर्षे जनवरी मासस्य षड्विशंतिः तारिकायाम् भारतीयं संविधानं प्रावर्तत। **(ख)** प्रेरकाः नेतारः कारागारेषु उषित्वाऽपि देशहिताय कार्याणि अकुर्वन्।

3. निर्देशानुसार उत्तर

(क) देशभक्तैः वीरैः अनयोः पदयोः विशेष्य पदं- वीरैः **(ख)** सप्तमी **(ग)** स्वतन्त्रता **(घ)** भारतवासिभ्यः